डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 15 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 12 मई से 18 मई 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

अमेरिका की दखलअंदाजी पर देश के लोगों को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी याद आने लगी

- भारत जीत रहा था फिर भी क्यों किया युद्ध विराम?
- अमेरिकी राष्ट्रपति ने की युद्ध विराम की घोषणा
- देश की जनता नाराज दिखाई दे रही है पाकिस्तान के साथ युद्ध विराम से

एम. खान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत पाकिस्तान युद्ध में ठीक-ठाक निर्णय ले रहे थे।देश की सेना ने भी अपना पराक्रम दिखाने में कोई कमी नहीं छोड़ी, देश का हर वर्ग, समाज और समुदाय एक कदम ताल की तरह पाकिस्तान के विरोध में सक्रिय था। दो-तीन दिन के युद्ध में पाकिस्तान घुटनों के बल आता दिखाई दे रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में भी कहा जाने लगा था कि वह स्वर्गीय पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तरह पाकिस्तान का विभाजन करके इंदिरा गांधी की बराबरी करके ही दम लेंगे।लेकिन अचानक ऐसा क्या हुआ कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में युद्ध रोकने के लिए तैयार हो गए, जबकि युद्ध में भारत ने पाकिस्तान पर बढ़त बना ली थी। युद्ध में भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों, एयरपोर्टों, बंदरगाहों एवं परमाणु ठिकानों के आस-पास एयर स्ट्राइक करके पाकिस्तान को काफी दबाव में ला दिया था। हर भारतीय उत्सुकता से देख रहा था कि भारत के साथ पाकिस्तान का यह आखिरी युद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के दबाव में आ गए और दबाव में युद्ध रोकने पर राजी हो गए। देश की जनता सोचने पर मजबूर दिखाई दी कि अचानक प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसा क्यों किया? जनता सोच भी नहीं पा रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युद्ध करने से क्यों रुके ? इसी बीच देश में सोशल मीडिया पर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का वीडियो वायरल होने लगा।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को याद करने लगी देश की जनता

जैसे ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान युद्ध के बीच सीजफायर की घोषणा की, देश की जनता का हर वर्ग अचंभित हो गया। ऐसे कैसे हो सकता है? जब भारत जीत रहा है तो युद्ध विराम की क्या जरूरत थी, वह भी अमेरिका के दबाव में युद्ध विराम के कुछ समय बाद ही सोशल मीडिया पर पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी का 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय का वीडियो वायरल हो गया। देश के लोग कहने लगे कि इंदिरा गांधी की बराबरी करना आसान नहीं है। 1971 के युद्ध में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति निक्सन ने भारत पाकिस्तान युद्ध में दखल देने की कोशिश की थी और भारत पर दबाव बनाया था, जब दबाव नहीं माना गया तो अमेरिका ने हिंद महासागर में अपना सातवां बेड़ा पाकिस्तान के पक्ष में और भारत पर सैनिक कार्रवाई के लिए भेज दिया था। उसी समय स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने कहा था कि अमेरिका सातवां बेड़ा भेजे या सत्रहवां बेड़ा भेजे, हम पाकिस्तान को सबक सिखा कर ही रहेंगे। अमेरिका हमारे बीच दखल देने वाला कौन होता है? इंदिरा गांधी ने सेना को पूरी खुली छूट दी थी और दुनिया का बाहरी दबाव स्वयं ने झेला और सेना को अपना काम करने दिया । नतीजा युद्ध के कुछ समय बाद ही पाकिस्तान के 93 हज़ार सैनिकों ने सरेंडर कर दिया और बांग्लादेश पाकिस्तान से अलग कर दिया गया।

वरिष्ठ पत्रकार डॉ. के. विक्रम राव का निधन

लखनऊ। वरिष्ठ पत्रकार और इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (IFWJ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. विक्रम राव का सोमवार प्रातः लखनऊ के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वे कुछ समय से सांस की बीमारी से पीड़ित थे।

डॉ. विक्रम राव न केवल एक प्रतिष्ठित पत्रकार थे, बल्कि उन्होंने अपने जीवन को सामाजिक उत्तरदायित्व और जनहित के लिए पूरी तरह समर्पित किया। वे दशकों तक पत्रकारिता जगत में सक्रिय रहे और पत्रकारों की आवाज़ को राष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाने में उनकी अग्रणी भूमिका रही। डॉ. राव लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय थे और उन्होंने श्रमजीवी पत्रकारों की आवाज़ को राष्ट्रीय मंच पर प्रभावशाली ढंग से उठाया। उनका जीवन सिद्धांतनिष्ठ, संघर्षशील और निर्भीक पत्रकारिता का प्रतीक रहा। उनकी लेखनी में जन सरोकार, स्वतंत्रता और निष्पक्षता की गूंज स्पष्ट रूप से दिखाई देती थी। वे पत्रकारों के हक़, मीडिया की स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय के प्रबल पैरोकार थे।

राज्यपाल ने सर्वधर्म सद्भाव बैठक में दिया आपसी एकता और भाईचारे का संदेश

- मुस्लिम प्रोग्रेसिव फैडरेशन ने की एकजुटता की घोषणा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजभवन में शनिवार को एक महत्वपूर्ण सर्वधर्म सद्भाव बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने की। बैठक में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा समेत विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि, गुरूजन और सामाजिक संगठनों के सदस्य मौजूद रहे।

राज्यपाल ने सभी धर्मों के लोगों से देश की एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे को बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि "सर्वधर्म सद्भाव भारतीय संस्कृति की आत्मा है। राष्ट्र के लिए यह समय संवेदनशील है, ऐसे में सभी नागरिकों को शांति, सौहार्द और एकजुटता के लिए कार्य करना चाहिए।

इस अवसर पर मुस्लिम प्रोग्रेसिव फैडरेशन (एमपीएफ) के संयोजक अब्दुल सलाम जौहर ने कहा कि "हमें अपनी सेना पर गर्व है और पूरा मुस्लिम समाज देश की रक्षा और सुरक्षा के लिए तन, मन, धन से तैयार है। भारत सरकार और सेना द्वारा लिए गए हर निर्णय में हम पूरी तरह साथ खड़े हैं। बैठक में देश में शांति बनाए रखने, साम्प्रदायिक सौहार्द को मजबूत करने और सभी धर्मों के अनुयायियों को संयम एवं सहयोग की भावना के साथ आगे आने का संदेश दिया गया।

एमपीएफ की ओर से संयोजक अब्दुल सलाम जौहर ने मुख्यमंत्री राहत कोष में सहायता राशि देने की घोषणा करते हुए सभी समुदायों से हर हाल में सौहार्द और एकता बनाए रखने का आग्रह किया। इस अवसर पर शहर मुफ्ती ज़ाकिर नोमानी, सैयद अनवर शाह सहित अन्य हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई धर्मों के धर्मगुरु मौजूद रहे

ऑपरेशन सिंदूर

पाप का घड़ा भर चुका था, कार्रवाई तय थी- भारतीय सेना

नई दिल्ली। (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर' पर भारतीय सेना ने सोमवार को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तानी मिराज के मलबे की क्लिप भी दिखाई। साथ ही पीएल-15 एयर-टू-एयर मिसाइल का मलबा दिखाया। एयर मार्शल एके भारती ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा, "यह दुख की बात है कि पाकिस्तानी सेना ने हस्तक्षेप करने का फैसला किया और वह भी आतंकवादियों के लिए, और इसलिए हमने जवाब देने का फैसला किया।" एयर मार्शल एके भारती ने कहा, "कल हमने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान में आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए की गई सफल संयुक्त कार्रवाइयों के बारे में विस्तृत जानकारी दी थी।

हमने दोहराया कि हमारी लड़ाई आतंकवादियों और उनके समर्थन ढांचे के खिलाफ है, न कि पाकिस्तानी सेना के खिलाफ। हालांकि, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तानी सेना ने आतंकवादियों का समर्थन करने और हस्तक्षेप करने का फैसला किया, जिसके कारण हमें उचित जवाब देना पड़ा। उन्हें जो नुकसान हुआ है, उसके लिए पाकिस्तानी सेना जिम्मेदार है।" एके भारती ने कहा, "हमारे युद्ध-सिद्ध सिस्टम समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं और उन्होंने (पाकिस्तान) का डटकर मुकाबला किया है।

एक और खास बात स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली, आकाश सिस्टम का शानदार प्रदर्शन रहा। पिछले एक दशक में भारत सरकार के बजटीय और नीतिगत समर्थन के कारण ही इतना मजबूत वायु रक्षा वातावरण तैयार करना और संचालित करना संभव हो सका।"

एयर डिफेंस सिस्टम की हमारे पास वैरायटी है, लो लेवल फायरिंग, सरफेस टू एयर मिसाइल, लॉन्ग और शॉर्ट रेंज मिसाइल शामिल हैं

भारती ने कहा, "पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किए गए ड्रोन और मानव रहित युद्धक हवाई वाहनों की कई लहरों को स्वदेशी रूप से विकसित सॉफ्ट और हार्ड किल काउंटर-यूएएस सिस्टम और अच्छी तरह से प्रशिक्षित भारतीय वायु रक्षा कर्मियों ने नाकाम कर दिया। हमने सिविलियन और मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर को न्यूनतम रखा, जबकि पाकिस्तानी सेना लगातार हमले कर रही थी। आपको पता है कि एयर डिफेंस सिस्टम की हमारे पास वैरायटी है, लो लेवल फायरिंग, सरफेस टू एयर मिसाइल, लॉन्ग और शॉर्ट रेंज मिसाइल शामिल हैं। हम पर ड्रोन और यूएवी से हमला किया गया। पाकिस्तानी हमले के दौरान हमारे सभी सिस्टम एक साथ सक्रिय हुए। मॉडर्न डेज वार फाइटिंग के लिहाज से ये अहम था। पुराने माने जा रहे एयर डिफेंस सिस्टम ने भी सही तरह से काम किया।"

एयर मार्शल एके भारती ने बताया, "पाकिस्तान की तरफ से किए गए हमले में चाइनीज ओरिजन की मिसाइल शामिल थीं, इनमें लॉन्ग रेंज रॉकेट और यूएवी थे। चीनी ओरिजन के कुछ कॉप्टर्स और ड्रोन (बाद में उन्होंने इसे टर्किश बताया) थे। इन्हें हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराया।" भारती ने कहा, "मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि हमारे सभी सैन्य अड्डे और सभी उपकरण और प्रणालियां चालू हैं और जरूरत पड़ने पर अपने अगले मिशन के लिए तैयार व तत्पर हैं।"पाकिस्तान की नापाक हरकतों का विनाश किया गया।

अमेरिका का हस्तक्षेप कश्मीर मुद्दे पर कभी स्वीकार्य नहीं हो सकता है – डोटासरा

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, जयपुर पर प्रेस से वार्ता करते हुये कहा कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने देश के निर्दोष 26 नागरिकों की हत्या की जिसके पश्चात् पूरा देश उद्वेलित था और सभी इन आतंकवादियों एवं आतंकवादियों को पनाह देने वाले देश विरोधी ताकतों के विरूद्ध कार्यवाही करने की मांग कर रहे थे तथा कांग्रेस पार्टी सहित समूचे विपक्ष ने केन्द्र सरकार को कार्यवाही करने हेतु समर्थन दिया था। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने अपने शौर्य एवं पराक्रम का प्रदर्शन करते हुये आतंकवादियों के ठिकाने ध्वस्त किये जिस पर सभी देशवासियों को गर्व है। उन्होंने कहा कि अचानक हुये आश्चर्यजनक घटनाक्रम में अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में लिखा गया कि भारत और पाकिस्तान के मध्य युद्ध विराम पर सहमति बना दी है और उसके पश्चात् भारत सरकार ने भी युद्ध विराम की घोषणा कर दी, जबकि अमेरिका जैसे देश की मध्यस्ता अथवा हस्तक्षेप क्यों होने दिया गया इसका खुलासा आज तक केन्द्र सरकार द्वारा नहीं किया गया है, इसके साथ ही शर्म का विषय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया संदेश में भारत और आतंकवादियों को पालने वाले पाकिस्तान को एक पलड़े में रखा, इससे भी ज्यादा शर्मनाक यह है कि पहली दफा कश्मीर मुद्दे को सुलझाने में अपना हस्तक्षेप करने की बात भी कही गई जिसका खण्डन केन्द्र सरकार द्वारा आज तक नहीं किया गया, इसलिये कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि तुरंत सर्वदलीय बैठक बुलाकर और लोकसभा का विशेष सत्र बुलाकर प्रधानमंत्री स्वयं इस घटनाक्रम पर जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने हस्तक्षेप व युद्ध विराम करने की बात कही है और कश्मीर मसले को सुलझाने में अपना हस्तक्षेप करने का कहा है, पर समस्त जानकारी जनता के समक्ष रखें और जो भी घटनाक्रम हुआ है या बातचीत अमेरिका से हुई उसका खुलासा देश के सामने करें।

डोटासरा ने कहा कि नोटबंदी जैसे मामले पर प्रधानमंत्री ने स्वयं देश को सम्बोधित किया था, किन्तु इतने बड़े घटनाक्रम पर जहाँ अमेरिका द्वारा भारत और पाकिस्तान को एक ही पलड़े पर रखकर युद्ध विराम की घोषणा कर दी गई और अब कश्मीर मुद्दे पर भी हस्तक्षेप की बात रखी है, इस घटनाक्रम पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो प्रधानमंत्री बनने से पहले टीवी चैनल को इन्टरव्यू में पाकिस्तान के विरूद्ध अमेरिकी सरकार को यूपीए द्वारा शिकायत करने का विरोध करते थे, अब कोई वक्तव्य नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका का हस्तक्षेप कश्मीर मुद्दे पर कभी स्वीकार्य नहीं हो सकता, क्योंकि भारत की नीति रही है कि द्विपक्षीय विवाद में किसी तीसरी शक्ति की मध्यस्ता स्वीकार नहीं की जायेगी, किन्तु पूर्ववर्ती सरकारों की इस नीति पर क्या आज मोदी सरकार कायम है, यह जानकारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लोकसभा का विशेष सत्र बुलाकर देनी चाहिये और अमेरिका के हस्तक्षेप से संबंधित समस्त जानकारी राष्ट्र से स्वयं को साझा करनी चाहिये।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की जनसुनवाई

- कहा, जनता की समस्याओं का समाधान हमारी प्रमुख प्राथमिकता

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुशासन के उच्चतम मानकों के अनुरूप अधिकारी.कर्मचारी आमजन की परिवेदनाओं पर कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि आमजन की संतुष्टि ही हमारा प्रमुख ध्येय है। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने आमजन से व्यक्तिशः जनसंवाद करते हुए उनकी प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को इनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ना केवल समस्याओं का समाधान करना है, बल्कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए गुड गवर्नेंस का बेहतरीन मॉडल स्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण को सूचीबद्ध करने के साथ ही उनका फॉलोअप सुनिश्चित करने और परिवादियों को सूचित करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जो कार्मिक आमजन की परिवेदनाओं के निस्तारण में लापरवाही बरते, उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, कार्मिक अगर सेवानिवृत्त हो गया है, तो उस स्थिति में उनकी पेंशन भी रोकी जाए। शर्मा ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिताए ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। इस अवसर पर आमजन और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

For Sale

1,2,3,4 BHK फ्लैट्स ,
मोती डूंगरी रोड ,आदर्शनगर ,
जवाहरनगर , फ़तेह टीबा
& near by location
Contact - 8386947005

बिहार विधानसभा चुनाव में भारत पाकिस्तान युद्ध और जाति जनगणना के मद्दे मुख्य भूमिका निभाएंगे

- भारत पाकिस्तान युद्ध विराम के बाद अब देश के राजनीतिक दलों के बीच राजनीतिक युद्ध शुरु

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत पाकिस्तान का युद्ध शुरू होते ही विपक्षी दलों ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर दी है और कहा है कि सरकार को संसद में बताना चाहिए कि अमेरिका के दबाव में युद्ध क्यों रोका गया जबकि भारत युद्ध जीत रहा था।

कांग्रेस, समाजसेवी पार्टी, शिवसैना (उद्धव) एवं राजद ने सरकार से सवाल पूछना शुरू कर दिया है, कि प्रधानमंत्री बताए कि युद्ध रोकने की क्या जरूरत थी, जबकि भारतीय सैना जीत की ओर अग्रसर थी। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री एवं रक्षामंत्री ने कहा है कि सभी ने जान लिया है कि भारत में आतंक फैलाने वालों का क्या हशर हो सकता है। अब- क्योंकि युद्ध नहीं हो रहा है लेकिन देश की राजनीति का मुद्दा भारत-पाक युद्ध ही रहने वाला है।

बिहार विधानसभा चुनाव-

बिहार में विपक्षी पार्टियां काफी मजबूत स्थिति में हैं। बिहार एक ऐसा प्रदेश है जहां दलित, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों की करीब 80 प्रतिशत जनसंख्या है। मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनतादल के अध्यक्ष तेजस्वी यादव पहले से ही बिहार में जाति जनगणना को मुद्दा बनाऐं हुए हैं। और जाति जनजणना का मुद्दा विधानसभा में मुख्य मुद्दा रहने वाला है। वैसे केन्द्र की मोदी सरकार ने देश में जातिगत जनगणना की घोषणा पहले ही कर दी है।

जातिगत जनगणना की घोषणा भाजपा को कितना फायदा पंहुचाएगी कहा नहीँ जा सकता है लेकिन यह जरूर है कि बिहार में जातिगत ध्रुवीकरण तेजी से हो सकता है। भारत पाकिस्तान युद्ध के कारण धार्मिक ध्रुवीकरण कम हो सकता है, क्योंकि देश के सभी समुदायों ने पाकिस्तान के विरोध में एकजुकता दिखाई है।

धार्मिक ध्रुवीकरण कम होने का किस राजनीतिक दल को फायदा नुकसान होगा कहा नहीं जा सकता है? बिहार विधान सभा चुनाव में अब कुछ महीने ही बचें हैं, बिहार देश का बड़ा प्रदेश है और यहां पर जीत-हार राजनीतिक दलों के लिए काफी महत्व रखती है। इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और भाजपा कांग्रेस का राजरनीतिक दलों के साथ गठबंधन भी बिहार विधानसभा चुनाव में काफी अहमियत रखने वाला है।

घुमंतु जातियों के पहचान पत्र वितरण का कार्यक्रम हुआ आयोजित

जयपुर/सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर के सीतापुरा नगर में बंजारा बस्ती सीआईएसफ कैंप के पास सांगानेर में घुमंतु जातियों के फोटो युक्त पहचान पत्र वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हिम्मत सिंह SDM सांगानेर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। महेंद्र सिंह राजावत प्रांत संयोजक घुमंतू जाति कार्य, विष्णु कुमार शर्मा, वरिष्ठ स्वयंसेवक समाजसेवी एवं प्रदेश संगठन मंत्री राजस्थान ब्राह्मण महासभा,सुधाकर शर्मा आदि स्वयंसेवक एवं समाज बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महेंद्र सिंह राजावत ने घुमंतू जाति उत्थान न्यास के विभिन्न आयामों को बताया तथा विष्णु कुमार शर्मा ने समाज को शिक्षित जागृत घुमंतू जाति के लोगों को मुख्य धारा में लाना एवं अन्य सामाजिक बिंदुओं पर सभी का मार्गदर्शन किया। ब्रह्मा शर्मा संयोजक सीतापुरा नगर घुमंतू जाति कार्य ने सभी उपस्थित गणमान्यों का आभार व्यक्त किया एवं घुमंतू जाति के लोगों के मध्य किए गए कार्यों एवं आगामी कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

जिले की सीमा में कार्यरत हथकरघा बुनकर पुरस्कार के लिए

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा राज्य के हथकरघा बुनकरों को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से प्रतिवर्ष की भांति वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी बुनकरों को नगद पुरस्कार देने का प्रावधान किया गया है। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबन्धक सुग्रीव मीना ने बताया कि जिला स्तरीय पुरस्कार के लिए जिले की सीमा में कार्यरत हथकरघा बुनकरों से 16 जून, 2025 तक कार्यालय महाप्रबन्धक जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र सवाई माधोपुर में आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए है। उन्होंने बताया कि पुरस्कार हेतु वहीं बुनकर पात्र हैं जिन्हें गत 3 वर्षो से इस पुरस्कार के लिए चयनित नहीं किया गया है।

मेरे देश को

मेरे देश को अब ज़रुरत है मेरी
ये फर्ज ही नहीं मोहब्बत है मेरी
हवाओं में शौर्य घुलने लगा है
गांडीव फिजा में बजने लगा है
मां दूध रगों में उबलने लगा है
उत्सव विजय का संवरने लगा है
बहुत सह लिया शराफ़त है मेरी
मेरे देश को ,......................
सर्वोपरि हैं हम सर्वोपरि हैं
मेरे देश के हम भर्तहरी हैं
अर्थों में हम डिक्शनरी हैं
मई-जून की हम दोपहरी हैं
औंधा गिरा तू करामत है मेरी
मेरे देश को ,..................
चेतावनी है संभल जा नहीं तो
दुनिया से तू उड़ जाएगा नहीं तो
चालाकियां सब मिटा देंगे तेरी
समझा नहीं मिट जाएगा नहीं तो
अभी तक जो है इनायत है मेरी
मेरे देश को ....,
सभी ताकतें दे रही हैं समर्थन
सभी जानलें मेरी हूंकार गर्जन
सदी से सदी तक पड़े ही रहोगे
जकड़ देंगें बांधेगे ऐसा बंधन
नहीं जानता ये पंचायत है मेरी
मेरे देश को अब ज़रुरत है मेरी

मौलिक रचना, रचियता :- फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव (सेवा निवृत्त)
मोबाइल नं 9828668877

ग़ज़ल

फासलों के बाद भी हम में ये क़ुरबत , है तो है
लोग कहते हैं मोहब्बत को बगावत, है तो है

तूने दुनिया के लिए मखसूस कर दी कायनात
ए खुदा फिर भी यह दुनिया को शिकायत, है तो है

रुख हवा का और है दुनिया की है अपनी रविश
आम करना बस मोहब्बत अपनी फितरत ,है तो है

सुन अमीरे वक्त तुझसे मांगना कुछ भी नहीं ,
मेरी खुद्दारी अगर मेरी हिमाकत, है तो है

यूं तवज्जो फिर मुझे हासिल हुई दिलदार की
बाद मुद्दत फिर उसे मेरी ज़रूरत ,है तो है

सच कहूंगी बारहा चाहे रूठे दुनिया भी
आप की खातिर मेरी हरकत हिमाकत, है तो

हां मोहब्बत में अदावत मुस्तकिल होती नहीं
अपने दुश्मन से ही शाइस्ता मोहब्बत ,है तो है

डॉ. शाइस्ता मेहजबीन

जयपुर जिला देहात यादव महासभा की आम सभा हुई

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिला देहात यादव महासभा की आम सभा श्री कृष्ण महिला शिक्षा सदन परिसर में चौमूं में आयोजित हुई। इस कार्यक्रम के चुनाव अधिकारी प्रोफेसर डॉक्टर रामगोपाल यादव ने जिला अध्यक्ष के चुनाव होना था, लेकिन किन्हीं कारणों से स्थगित कर अगले माह 8 जून 2025 को होना तय किया गया। इस सभा में उपस्थित हर सहाय यादव कार्यकारिणी प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र यादव, प्रोफेसर रामनारायण यादव, प्रोफेसर जेपी यादव, छुट्टन यादव, वंदना यादव, सुषमा यादव, ईश्वर माडिया, पूर्व प्रधान भगवान सहाय धासिंल, पूर्व सरपंच नंदकिशोर यादव ने अपने विचार रखें। इस कार्यक्रम के दौरान फाउंडर मेंबर रामचंद्र ने भी संस्था के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला तथा नवयुग को सामाजिक संस्था में जोड़कर राष्ट्र एवं समाज की सेवा करने के लिए एवं आगे लाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर मीडिया प्रभारी कमल सिंह यादव ने भी बताया कि अगले माह 8 जून को जिला अध्यक्ष के चुनाव के लिए जन -जागरण अभियान चलाया जाएगा। इस मौके पर महामंत्री शंकर कुललिया, कमल यादव (हाड़ोता), रामदेव सींगड, मदन भोमाका, अर्जुन यादव, राकेश मेहता, गजेंद्र भोमाका, सुभाष डागर , रूडमल सिसोटिया, सरपंच सुभाष डागर, जिलाध्यक्ष सरदारमल चोरिया, पूर्व सरपंच जगदीश यादव, कोटपूतली से रामकरण यादव, सहित यादव समाज के सैकड़ो लोग उपस्थित रहे ।

प्रशासन की अनदेखी के कारण बजरी माफिया द्वारा एक और मौत

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रशासन की अनदेखी के कारण बजरी माफिया द्वारा आए दिन सड़क दुर्घटना को अंजाम देते हैं जिस पर प्रशासन ने अभी तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। इसी संदर्भ में ग्राम सागरवासा निवासी विजय सिंह रात्रि को 10:11 बजे ग्राम गोज्यारी से मोटरसाइकिल से अपने गांव सांगवासा आ रहा था बजरी का डंपर तेज रफ्तार से चलता हुआ लाया और विजय सिंह के टक्कर मार दी, जिससे विजय सिंह की मौके पर मृत्यु हो गई। ग्रामीणों ने कांग्रेस जिला अध्यक्ष गिर्राज सिंह गुर्जर को सूचित करने पर जिला अध्यक्ष मौके पर पहुंचे और लाश को लेकर घटनास्थल के पास धरना दिया। मौके पर उप जिलाधीश उपपुलिस अधीक्षक प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और 7 सूत्री मांगपत्र प्रशासन को दिया। जिस पर प्रशासन ने उच्च अधिकारियों से बात कर सहमति दायर की। उसके बाद मौके पर से लाश को उठाकर दाह संस्कार किया। इस तरह की आए दिन घटनाएं हो रही है परंतु अभी तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई। 10-15 दिन पहले ग्राम चकेरी में बजरी ट्रैक्टर चालक द्वारा टक्कर मार कर ग्रामीण को मौत के घाट उतार दिया था। प्रशासन इस बारे में शक्ति बढ़ाये ताकि आए दिन की दुर्घटनाएं बंद हो।

धाना का बास में शादी में पहुंच महिला दूध उत्पादन की बेटी का भरा मायरा

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के ग्राम जालिम सिहं का बास के निकटवर्ती ग्राम धाना का बास में जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति संघ लिमिटेड सरस डेयरी की ओर से सरस लाडो मायरा योजना के तहत महिला दुग्ध उत्पादक समिति की सदस्या की बेटी का मायरा भरा गया। इस अवसर पर जयपुर डेयरी के अध्यक्ष ओमप्रकाश पूनिया ने ग्राम धाना का बास में कादियो की ढ़ाणी दूध उत्पादक महिला सरकारी समिति की सदस्या आशा देवी पत्नी राजेंद्र कादिया की पुत्री अंतिम के शादी समारोह में पहुंच समिति के सदस्य आशा देवी को जयपुर डेयरी की ओर से 21000 रुपए का चेक सौंपा गया। बेटी अंतिम एवं उनके माता-पिता को वस्त्र भेंट किए गए। इस मौके पर अध्यक्ष ओमप्रकाश पूनिया ने कहा कि यह योजना बेटियों के सम्मान और परिवार के सहयोग की दिशा में एक अभिनव पहल है। उन्होंने कहा की जयपुर डेयरी की इस योजना का उद्देश्य दुग्ध उत्पादन परिवारों की बेटियों की विवाह के अवसर पर आर्थिक सहायता प्रदान करवाना है। इस दौरान सरस टीम की ओर से भी भात के रूप में ₹3100 रुपए, मां की चुनरी, लड़की के लिए बरिका का बेस, पिता के कपड़े दिए गए। इस मौके पर काला डेरा ज़ोन प्रभारी पृथ्वी सिंह, जयपुर डेयरी के डायरेक्टर रामनारायण यादव, भगवान सहाय सेवदा, रामनारायण शर्मा, राजेश कुलहरिया, मार्ग प्रभारी राजेश कुमार, रामलाल यादव, राजेश जाट, डेयरी सचिव विजयपाल , सुरेंद्र श्यामलाल , भोलाराम, बाबूलाल रत्न सहित सचिन मौजूद रहे।

विद्यालयों, आंगनवाड़ियों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों में प्राथमिकता से हो पेयजल कनेक्शन: मुख्य कार्यकारी अधिकारी

- जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक सोमवार को मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया की अध्यक्षता में उनके कक्ष में आयोजित हुई। बैठक में जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रही पेयजल योजनाओं की समीक्षा की गई। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने निर्देश दिए कि विद्यालयों, आंगनवाड़ियों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों में प्राथमिकता से पेयजल कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही नल जल मित्रों के शीघ्र चयन और सूखे हैंडपंपों को भूजल रिचार्ज स्ट्रक्चर के रूप में परिवर्तित करने की प्रक्रिया को गति दी जाए।

उन्होंने ऐसे स्थानों/बस्तियों की सूची शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए, जहाँ पेयजल स्रोत अपर्याप्त हैं, ताकि पंचायती राज विभाग द्वारा आवश्यक कार्यवाही कर आमजन को पर्याप्त पेयजल सुविधा सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में अधीक्षण अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग भगवान सहाय मीणा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी, उप निदेशक आईसीडीएस प्रियंका शर्मा सहित शिक्षा, चिकित्सा, भूजल विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम का स्वागत करते हुए स्थायी शांति प्रयासों का आह्वान किया

नई दिल्ली। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम समझौते की घोषणा का स्वागत किया है। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद, राजस्थान के मीडिया विभाग के सचिव डॉ. सैयद नासिर हसन ने इसकी जानकारी साझा की। मीडिया को जारी बयान में जमाअत अध्यक्ष ने कहा, "हम भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम समझौते की घोषणा का स्वागत करते हैं।यह एक सकारात्मक और अत्यंत आवश्यक प्रगति है जो क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए आशा की किरण प्रस्तुत करता है। हम उन सभी व्यक्तियों, नागरिक समाज समूहों, तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने बढ़ते तनाव के दौरान निरंतर शांति, तनाव कम करने और संयम की वकालत की।आवेशपूर्ण माहौल में उनकी आवाजें मानवीय गरिमा को बनाए रखने और जीवन को संरक्षित करने के महत्व की शक्तिशाली याद दिलाती रहीं।" सैयद सआदतुल्लाह ने आगे कहा, "हम संघर्ष में अपनी जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति भी अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। हम भारत सरकार से आग्रह करते हैं कि वह मृतकों के परिवारों को उचित मुआवजा प्रदान करे तथा नागरिकों और समुदायों - विशेषकर सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आजीविका और संपत्ति की क्षतिपूर्ति करे। चूंकि यह युद्धविराम एक नए अध्याय की शुरुआत करता है, हमारा मानना है कि स्थायी शांति केवल संवाद और कूटनीति को संस्थागत बनाने के प्रयासों के माध्यम से ही सुनिश्चित की जा सकती है। जमात-ए-इस्लामी हिंद शांति, न्याय और सद्भाव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है तथा दोनों देशों से आग्रह करता है कि वे इस संघर्ष विराम को और आगे बढ़ाते हुए क्षेत्र में स्थायी स्थिरता, पारस्परिक सम्मान और सहयोग को संभव बनाएं तथा क्षेत्र को आतंकवाद से पूरी तरह मुक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाएं।"

सेना के सम्मान में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तिरंगा यात्रा निकाली

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। यूथ कांग्रेस व एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने सेना के समर्थन में तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा सिविल लाइन कांग्रेस कार्यालय से रवाना होकर अंबेडकर सर्किल पहुंचकर संपन्न हुई। तिरंगा यात्रा में शामिल कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा थामे पाकिस्तान मुर्दाबाद इंडियन आर्मी जिंदाबाद के नारे लगाते हुए चल रहे थे। इस मौके पर यूथ कांग्रेस के महासचिव रजीउद्दीन अंसारी ने कहा कि भारतीय सेना को जरूरत पड़ी तो कांग्रेस कार्यकर्ता आर्थिक सहयोग तथा सेना में शामिल होकर देश के दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देंगे। तिरंगा यात्रा में शामिल आसिफ खलिफा, संजय गोतम, रईस अहमद, गणेश मीणा, रफीक मोहम्मद, ओमप्रकाश सैन, राजेश पहाड़िया, छुट्टनलाल मीणा, एवं कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सांगानेर पत्रकार संघ की कार्यकारिणी का हुआ विस्तार अध्यक्ष रविकांत शर्मा ने की सर्व सहमति से घोषणा

सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। जगतपुरा के गोनेर रोड स्थित द कॉर्नर कैफे में सांगानेर पत्रकार संघ की एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सांगानेर क्षेत्र के सभी पत्रकार उपस्थित रहे। सांगानेर पत्रकार संघ के संरक्षक रविंद्र शर्मा, अध्यक्ष रविकांत शर्मा, कोषाध्यक्ष गुलाबचंद कुमावत के मार्गदर्शन में कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष रविकांत शर्मा ने सर्वसम्मति से सुनील शर्मा को महासचिव, दिनेश आर्य को संगठन मंत्री, रोहित गौतम को सचिव, शिव शंकर छिपा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पुनीत शर्मा को उपाध्यक्ष, दीपक गोधा को प्रचार प्रसार एवं मीडिया प्रभारी नियुक्त किया।

पत्रकारों के हितों की रक्षा करेगा संगठन

इस सुनहरे मौके पर अध्यक्ष रविकांत शर्मा ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए विश्वास दिलाया कि संगठन पत्रकारों के हित की रक्षा करने और क्षेत्रीय पत्रकारिता को नई ऊर्जा प्रदान करने में,एवं अहम योगदान देने में पीछे नहीं हटेगा। साथ ही सांगानेर की समस्याओं को शासन प्रशासन स्तर पर पहुंचाने में संगठन सक्रिय भूमिका निभाएगा। संरक्षक रविंद्र शर्मा ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल खबरों को उजागर करना नहीं है बल्कि,पत्रकारों की आवाज को बुलंद करना और जनहित में जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देना होगा। सांगानेर की खबरों में रफ्तार लाई जाएगीऔ पत्रकारों के लिए एक सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल सुनिश्चित किया जाएगा।

नवोदित एवं वरिष्ठ मीडिया कर्मियों ने लिया भाग

बैठक में क्षेत्र के कई वरिष्ठ पत्रकारों और नवोदित मीडिया कर्मीयों ने भाग लिया और नई टीम को शुभकामनाएं दीं। सभी ने उम्मीद जताई कि संघ क्षेत्र की पत्रकारिता को एक नई दिशा देगा और पत्रकारों के लिए एक मजबूत मंच साबित होगा इस मीटिंग में रविकांत रोलीवाल,रविंद्र शर्मा, शिव शंकर छिपा, गुलाबचंद कुमावत,जुगल किशोर छिपा, विकास डबरा, दिनेश आर्य, दीपक गोधा, मोहम्मद सादिक हिंदुस्तानी, चंद्रभान सक्सेना, पुनीत शर्मा, बन्ने सिंह, जयप्रकाश बुलचंदानी ,पीयूष जैन, पवन शर्मा, योगेश शर्मा, गौरव आहूजा, मनीष सिंह, भुवनेश शर्मा,आदि पत्रकार उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष विधायक कँवरलाल मीणा की सदस्यता रद्द करने का निर्णय क्यूँ नहीं ले रहे ?

डोटासरा ने कहा कि अंता विधानसभा क्षेत्र से विधायक कंवरलाल मीणा को आपराधिक मुकद्में में दी गई तीन वर्ष की सजा को माननीय उच्च न्यायालय द्वारा बरकरार रखा गया और माननीय उच्चत्तम न्यायालय द्वारा इस फैसले के विरूद्ध प्रस्तुत अर्जी को भी खारिज कर दिया गया है, किन्तु विधानसभा अध्यक्ष ने विधायक की सदस्यता को निरस्त करने का निर्णय नहीं लिया है, जबकि नियमानुसार दोष सिद्ध होने पर विधायक की सदस्यता स्वत: ही निरस्त होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि दिनांक 05 मई, 2025 को कांग्रेस पार्टी द्वारा विधानसभा अध्यक्ष के नाम विधायक कंवरलाल मीणा की सदस्यता समाप्त करने के लिये ज्ञापन भी सौंप दिया गया था, किन्तु विधानसभा अध्यक्ष महोदय द्वारा इस प्रकरण को ठण्डे बस्ते में डालकर निर्णय नहीं लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि विधानसभा अध्यक्ष द्वारा आगामी 24 घण्टे में विधायक की सदस्यता समाप्त करने का निर्णय नहीं लिया गया तो कांग्रेस पार्टी आन्दोलन तथा विधिक् कार्यवाही करने हेतु निर्णय लेने के लिये विचार-विमर्श करेगी। उन्होंने कहा कि एक ओर तो गुजरात की अदालत द्वारा गुजराती भाषा में पारित निर्णय का पढक़र लोकसभा से 24 घण्टे के अंदर कांग्रेस नेता राहुल गाँधी की लोकसभा सदस्यता को समाप्त कर दिया गया था, दूसरी ओर भाजपा शासन में लगभग 25 दिन बीतने के पश्चात् भी दोष सिद्ध होने पर विधायक की सदस्यता पर निर्णय नहीं लिया जा रहा है।

सिंधु संस्कृति प्रसार संस्था के अध्यक्ष पद पर गोपाल दास लालवानी पुन: हुए निर्वाचित

जयपुर/सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर गणेश्वर महादेव मंदिर पार्क सेक्टर- 6 जोन- 61 रजत पथ, मानसरोवर, सांगानेर, जयपुर में सिंधु संस्कृति प्रसार संस्था (रजि.) के अध्यक्ष पद के द्विवार्षिक चुनाव में गोपाल दास लालवानी को पुनः निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। इस निर्णय से संस्था के सदस्यों और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। गोपाल दास लालवानी की नेतृत्व क्षमता और उत्कृष्ट कार्य अनुभव को देखते हुए पुनः अध्यक्ष पद पर आसीन किया गया है । गोपाल दास लाल वाली ने कहा मैं अपने पुनः निर्वाचन के लिए संस्था के सदस्यों और समर्थकों का आभारी हूं।उम्मीद जताई है कि नई ऊर्जा और उत्साह के साथ समाज के उत्थान के लिए, समाज के विकास के लिए,और हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए एवं संस्था के उद्देश्यों और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपनी तरफ से पूरी कोशिश करूंगा। दादा सुंदर ठाकुर ने कहा कि मैं गोपाल दास लालवानी को पुनः निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने पर बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि उनके नेतृत्व में संस्था मजबूत होगी तथा समाज के लिए और बेहतर काम करेगी। इस अवसर पर अशोक रावतानी, किशन छत्तानी, सुंदर ठाकुर, श्रीचंद दीवान, इंद्र रामानी, रामराज आहूजा,अशोक मेठवानी, नंदलाल लालवानी, नरेश लालवानी, मनोज तोतलानी, नंदकिशोर नरयानी, नारायण कृपाल, सुरेंद्र भंभानी, किशोर केवलरामानी,जगदीश दुसेजा, प्रिया ज्ञानानी, नंदिनी पंजवाणी, माला कैलाश, पार्वती भागवानी संगीता तलवानी, और कोमल गेहानी सहित कई प्रमुख गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

भारतीय सेना के सम्मान में मुस्लिम समाज के लोगों ने निकाली तिरंगा यात्रा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनावपूर्ण हालातों के बीच जयपुर के भट्टाबस्ती इलाके में मुस्लिम समाज ने देश के सैनिकों के सम्मान और मनोबल बढ़ाने के लिए एक अनोखी मिसाल पेश की। भट्टाबस्ती से कांवटिया सर्किल तक एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। सभी के हाथों में तिरंगा था और देशभक्ति के गीतों की गूंज से माहौल राष्ट्रप्रेम से सराबोर हो गया।रैली के कांवटिया सर्किल पहुंचने पर रामनगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय राजपुरोहित और उनके साथियों ने पुष्पवर्षा कर रैली का जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर सभी धर्मों के लोगों ने एकता का परिचय देते हुए एक स्वर में कहा कि देश की रक्षा के लिए सभी भारतीय एकजुट हैं और किसी भी दुश्मन का डटकर मुकाबला करेंगे। तिरंगा यात्रा के संयोजक पप्पू कूरैशी और सह-संयोजक युनुस चौपदार ने कहा कि पाकिस्तान लगातार आतंकवाद को बढ़ावा देकर भारत में अशांति फैला रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार सेना को खुली छूट दे ताकि इस समस्या का जड़ से समाधान हो सके। पप्पू कूरैशी ने कहा कि देश की जनता सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और जरूरत पड़ने पर हर बलिदान के लिए तैयार है।युनुस चौपदार ने कहा कि कुछ देश पाकिस्तान के समर्थन में भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन भारत को किसी के दबाव में आए बिना आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए। इस मौके पर पार्षद अहसान कुरैशी, पार्षद जाहिद निर्वाण, कारी मोहम्मद इश्हाक, शाहरुख कुरैशी, आसिफ कुरैशी और अकरम खान कायमखानी समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण एवं जागरुकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

- जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर आयोजित हो रहे कार्यक्रम

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर सक्षम जयपुर अभियान के तहत जिले में नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को अंबाबाड़ी स्थिति आदर्श विद्या मंदिर में आपदा प्रबंधन जन जागरुकता कार्यक्रम में नागरिक सुरक्षा विभाग के अनुदेशकों ने आपातकालीन परिस्थितियों के दौरान बचाव एवं उपायों की जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया। उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा श्री अमित शर्मा ने बताया कि जयपुर सक्षम अभियान के तहत नागरिक सुरक्षा विभाग के तत्वावधान में जिले के अलग-अलग स्थानों पर प्रतिदिन नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आमजन को हर आपात परिस्थिति में स्वयं एवं अन्य लोगों के बचाव के लिए बुनियादी प्रशिक्षण दिया जा रहा है साथ ही आपात स्थिति में क्या करें क्या ना करें गाइडलाइन की भी जानकारी प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण एवं युद्ध काल के दौरान बचाव के तरीकों से रूबरू करवाया गया। साथ ही ब्लैकआउट के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारियां दी गई। उन्होंने बताया कि इस दौरान आपातकालीन बचाव पद्धतियों, सीपीआर,बेसिक फायर एवं फायर एक्सटिंग्विशर संचालन अभ्यास भी करवाया गया।

हज़रत ख़्वाजा शेख सैयद शाह अहमद चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह का सालाना उर्स मुबारक 24 मई से

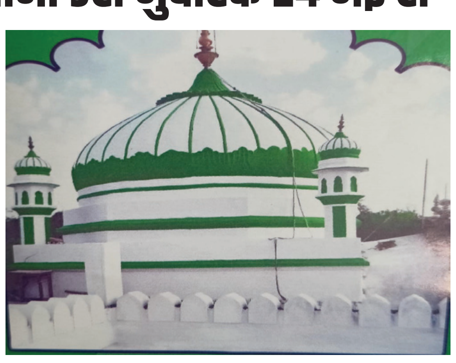

जयपुर/शाहपुरा। शाहपुरा तहसील के अमरसर गाँव स्थित सूफी संत हज़रत ख़्वाजा शेख सैय्यद शाह अहमद चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह, जो कि शेख बुरहानुद्दीन चिश्ती ताले वालो के पीर-ओ-मुर्शिद थे, का सालाना उर्स मुबारक अकीदत व मोहब्बत के साथ 24 मई से उनके मजार शरीफ पर मनाया जाएगा। यह तीन रोज़ा उर्स का आयोजन 24 मई से 26 मई 2025 तक आयोजित किया जाएगा, जो कि हिजरी कैलेंडर के मुताबिक 25 जिकादा से 27 जिकादा 1446 हिजरी तक चलेगा। उर्स का आगाज़ शनिवार 24 मई को इशा की नमाज के बाद मीलाद शरीफ से होगा। दूसरे दिन 25 मई को जौहर की नमाज के बाद आस्ताने पर चादर शरीफ पेश की जाएगी और रात 9 बजे महफिल-ए-समा का रुहानी आयोजन होगा। उर्स का समापन 26 मई को सुबह 10 बजे महफिल रंग, कुल फातिहा और लंगर के साथ किया जाएगा।

इस सालाना उर्स मुबारक की सरपरस्ती सूफी खानकाह एसोसिएशन राजस्थान इकाई के प्रदेश अध्यक्ष व सज्जादा नशीन सूफी सैय्यद आबिद अली चिश्ती फरीदी फखरी कर रहे हैं,

जबकि साहिब-ए-इजाज़त व खिलाफत, पीर-ए-तरीकत हज़रत ख़्वाजा मोहम्मद उमर फरीदी चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह की तालीमात के मुताबिक़ उर्स के सारे कार्यक्रम तय किए गए हैं।

आयोजन के मुतवल्ली सैय्यद साबिर अली चिश्ती फरीदी ने बताया कि उर्स के मौके पर मुल्क भर से सज्जादगान, सुफियाए किराम और अकीदतमंद बड़ी तादाद में शिरकत करेंगे।

मातृ दिवस पर महिलाओं के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, 350 से अधिक ने लिया लाभ

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा रविवार को मातृ दिवस के उपलक्ष में सीएमएचओ, सवाई मानसिंह अस्पताल और लाडो महिला संस्था के सहयोग से महिलाओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन सैंट्रल पार्क, सी-स्कीम, जयपुर में प्रातः 7 बजे से 11 बजे तक किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती नन्दिनी व्यास, जिला एवं सेशन न्यायाधीश, जयपुर महानगर-प्रथम द्वारा किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर-प्रथम, द्वितीय व जिला के समस्त अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस शिविर में सवाई मानसिंह अस्पताल और सीएमएचओ प्रथम से डॉ. आशा लता, सदस्य, विधिक चेतना समिति जयपुर महानगर द्वितीय, डॉ. शाब्या अग्रवाल व डॉ. शेफाली गोयल, स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. महेश सांखला, अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉ. सीमा पालीवाल तथा डॉ. अंजली मीणा, डॉ. प्रियंका बुरड़क, डॉ. गोपेश भारद्वाज, नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ. बी एल अग्रवाल व डॉ. सदानंद सिंह डागर, मेडिसिन विभाग, डॉ. विजय मीणा, पी.एम.आर. विभाग तथा डॉ. चन्द्र प्रकाश शर्मा भी उपस्थित रहे। शिविर में निःशुल्क नेत्र, हार्ट, ब्लड, शुगर, अस्थि तथा स्त्री आदि रोगों के संबंध में जांच करवाई जाकर चिकित्सकों से परामर्श लिया गया। इस दौरान दवाइयां भी निशुल्क उपलब्ध करवाई गई। शिविर का 350 से अधिक लाभार्थियों द्वारा लाभ उठाया गया।

महात्मा गाँधी इंग्लिश मीडियम स्कूल्स पर फैसला बदला

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गांधी राजकीय इंग्लिश मीडियम स्कूलों को फिर से हिंदी माध्यम में बदलने का जो फैसला लिया गया था, उसे वापस लेने पर संयुक्त अभिभावक संघ ने खुशी जाहिर की है। संघ का मानना है कि अभिभावकों के विरोध और दबाव के चलते ही शिक्षा विभाग को पीछे हटना पड़ा, वरना 800 से ज़्यादा स्कूलों को हिंदी माध्यम में तब्दील करने की योजना बनाई जा रही थी। संघ के प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा कि यह राहत भले मिली हो, लेकिन खतरा पूरी तरह टला नहीं है। उन्होंने चिंता जताई कि सरकार कभी भी यह निर्णय दोबारा लागू कर सकती है, इसलिए सतर्क रहने की ज़रूरत है।उन्होंने सरकार से मांग की कि स्कूलों को फिर से माध्यम बदलने की बजाय उनकी आधारभूत सुविधाएं बेहतर बनाई जाएं, जिससे बच्चों को अच्छी शिक्षा और माहौल मिल सके। साथ ही उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे इन स्कूलों में ज़्यादा से ज़्यादा नामांकन कराएं ताकि सरकार को "कम नामांकन" का बहाना न मिले।

हेरिटेज निगम में महापौर कुसुम यादव की अध्यक्षता में कार्य समिति की बैठक संपन्न

-बैठक में आए प्रस्ताव पर चर्चा के बाद सभी निगम चेयरमैन ने सर्व सम्मति से मेज थप थपा पर किए पास

-सामुदायिक केंद्रों पर शहरवासी रियायती दर पर कर सकेंगे आयोजन, ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे का नाम होगा संत दुर्बलनाथ महाराज चौराहा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम हेरिटेज जयपुर मुख्यालय में शुक्रवार को निगम कार्यकारिणी समिति की बैठक का आयोजन किया गया। हेरिटेज महापौर कुसुम यादव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में आयुक्त अरुण हसीजा, अतिरिक्त आयुक्त सुरेंद्र सिंह यादव सहित नगर निगम के नव नियुक्त चेयरमैन और निगम अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान बैठक में निगम आयुक्त अरुण हसीजा ने सभी निगम चेयरमैन को राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 के तहत चेयरमैन के दायित्व और कार्य प्रभार की जानकारी दी गई। इसके अलावा बैठक में महापौर कुसुम यादव ने सभी चेयरमैन के साथ एजेंडों पर चर्चा की और सर्व सम्मति से उन्हें पास किया। महापौर कुसुम यादव ने बताया कि हेरिटेज निगम की बोर्ड मीटिंग में कई प्रस्ताव लिए गए थे। शुक्रवार को कार्य समिति की बैठक में उन प्रस्ताव के क्रियान्वय पर चर्चा की गई और समिति के चेयरमैन की सहमति से पास भी किया गया। जिसमें हेरिटेज निगम के सामुदायिक केंद्रों में शहरवासियों को रियायत दर पर आयोजन के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। वहीं समिति के सदस्यों और चेयरमैन की ओर से आए हुए प्रस्तावों पर चर्चा कर कुछ स्थानों के नामकरण का प्रस्ताव किया गया। जिसे आगामी बोर्ड मीटिंग में पारित कर आगे की कार्यवाही के लिए सरकार के पास भेजा जाएगा। महापौर ने बताया कि हेरिटेज निगम में राज्य सरकार के समितियों का निर्माण किया है। इससे अब शहर के विकास में तेजी आएगी। सभी चेयरमैन शहर को साफ सुथरा रखने और विकास करने में अपना योगदान देंगे। निगम की प्रशासकीय टीम और निगम चेयरमैन मिलकर शहर को स्वच्छता और अन्य जनहित के कार्यों में अव्वल बनाएंगे। इस दौरान कुछ चेयरमैन ने शहर के विकास के लिए अपने सुझाव भी बैठक में रखे। जिसे महापौर कुसुम यादव ने आगामी बोर्ड बैठक में चर्चा के लिए प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए।

ये प्रस्ताव हुए पास

- मृतक आश्रित अनुकंपा नियुक्ति के कुल 21 मामले थे, जिनमें 20 प्रस्ताव पर चर्चा के बाद पारित किए गए।
- हेरिटेज निगम के ए श्रेणी के सामुदायिक केंद्र में विवाह आयोजन के एक दिन के लिए 10 हजार रुपए, सफाई शुल्क 2500 रुपए, जन्म दिवस और भजन कीर्तन के 3100 रुपए, तीये की बैठक के 1100 रुपए और ध्यान या योगाभ्यास के 500 रुपए प्रति घंटा लिए जाएंगे।

वहीं, बी श्रेणी के सामुदायिक केंद्रों पर विवाह के आयोजन के एक दिन के सात हजार रुपए, जन्म दिवस के 2100 रुपए, तीये की बैठक के 500 रुपए और ध्यान और योग शिविर के 350 रुपए लिए जाएंगे। वहीं, सी श्रेणी के सामुदायिक केंद्रों पर शहरवासी विवाह आयोजन के लिए पांच हजार रुपए, जन्म दिवस आयोजन के लिए 1100 रुपए और तीये की बैठक के 500 रुपए दर पर आयोजन कर सकेंगे।

-ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे का प्रस्तावित नाम संत श्री दुर्बल नाथ महाराज चौराहा

- सामुदायिक केंद्र, मंडी खटीकन का प्रस्तावित नाम संत श्री दुर्बल नाथ महाराज सामुदायिक केंद्र

-केशव विद्यापीठ चौराहा, जामडोली का प्रस्तावित नाम केशव विद्यापीठ सर्किल

- गोल चक्कर का प्रस्तावित नाम संत तेउराम सर्किल

- वानिकी पथ का नाम विधिक सेवा पथ

लालसांड जी के रास्ते का नाम जयकारा मार्केट नामकरण पर सभी सदस्यों ने आपत्ति जताई, जिसे हटा दिया गया।

डोल का बाढ़ जंगल को बचाने लिए एकजुट हुए लोग, युवाओं ने संभाली कमान

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। जयपुर में पर्यावरण संरक्षण के लिए एक अहम पहल देखने को मिली जब डोल का बाढ़ जंगल को बचाने के मकसद से रविवार को 300 से ज़्यादा लोग एकजुट हुए। इस अभियान में बड़ी तादाद में युवाओं ने हिस्सा लिया और जंगल को नष्ट होने से बचाने का संकल्प लिया। सुबह 7 बजे अभियान की शुरुआत अर्बन स्केचर्स द्वारा जंगल के दृश्यों की चित्रकारी से हुई। इसके बाद करीब 10:30 बजे से लोगों का जुटना शुरू हुआ और सभी ने शांतिपूर्ण ढंग से धरना दिया। इस दौरान आंदोलन से जुड़े इतिहास को साझा किया गया और लोगों ने एक-दूसरे के साथ जुड़कर मानव श्रृंखला बनाई, जिससे एकता और प्रतिबद्धता का संदेश दिया गया। इस अभियान में जयपुर के विभिन्न कॉलेजों के करीब 60 छात्रों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग थी कि रीको (RIICO) इस जंगल को काटने की योजना को बंद करे और सरकार इसे बायोडायवर्सिटी पार्क के रूप में विकसित करे। डोल का बाढ़ समिति ने ज़ोर देते हुए कहा कि यह जंगल किसी एक व्यक्ति या संस्था की नहीं, बल्कि सभी की साझा धरोहर है जिसे आने वाली नस्लों के लिए बचाकर रखना हमारा फर्ज़ है। दोलनकारियों ने घोषणा की कि वे जल्द ही मुख्यमंत्री, उद्योग मंत्री और रीको अधिकारियों से मुलाकात करेंगे ताकि इस मुद्दे पर ठोस कदम उठाया जा सके।

क्या है पूरा मामला

दरअसल, जयपुर में एयरपोर्ट के पास तारों की कूंट इलाके में डोल का बाढ़ क्षेत्र में रीको की ओर से फिनटेक पार्क और पीएम यूनिटी मॉल बनाया जाना प्रस्तावित है। फिनटेक पार्क, मॉल और रेजिडेंशियल स्पेस बनाने के लिए जंगल के 2500 पेड़ काटे जाएंगे। इनमें बड़ी संख्या में खेजड़ी के पेड़ भी शामिल हैं। पीएम यूनिटी मॉल के निर्माण के लिए टेंडर जारी हो चुके हैं। रीको की ओर से 17 जनवरी को 170 करोड़ रुपए में इस कार्य के लिए टेंडर जारी किया गया है। इसके लिए 540 दिन में काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। कुछ दिन पहले यहां टीनशेड लगाने का काम भी शुरू हो गया है। वहीं, टेंडर जारी होने के बाद ढोल का बाढ़ संघर्ष समिति और स्थानीय लोग लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं।

जालूपुरा थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 41.3 किलो डोडा चूरा बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जालूपुरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने नशाखोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 41.300 किलोग्राम डोडा चूरा (मादक पदार्थ) जब्त किया है। इस मामले में हरियाणा के दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर, राशि डोगरा डूडी (आई.पी.एस.) ने जानकारी देते हुए बताया कि 9 मई 2025 को पीसीआर जयपुर शहर से सूचना मिली थी कि पोलो विक्ट्री के पास दो संदिग्ध व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ के साथ मौजूद हैं। सूचना की तस्दीक व त्वरित कार्रवाई के लिए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त बजरंग सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त अनूप सिंह, एवं थानाधिकारी हवा सिंह मंगावा के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम में थानाधिकारी हवा सिंह मंगावा के साथ कांस्टेबल अनिल कुमार, जितेन्द्र कुमार, देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं चालक सुरेश चन्द शामिल थे।

गठित टीम ने विनायक भोजनालय, पोलो विक्ट्री के पास बैठे दो व्यक्तियों को चेक किया, जिनके पास मौजूद तीन बैगों से कुल 41.300 किलो डोडा चूरा बरामद किया गया। मौके पर ही दोनों व्यक्तियों विकास कुमार (पुत्र कृष्णलाल, उम्र 40 वर्ष, निवासी बिल्लू कॉलोनी, नूरवाला, थाना सदर, पानीपत, हरियाणा) और अजय (पुत्र रामफल, उम्र 20 वर्ष, निवासी बिल्लू कॉलोनी, देवी मंदिर के पास, नूरवाला, थाना सदर, पानीपत, हरियाणा) को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

हेरिटेज निगम लाइसेंस समिति की बैठक संपन्न, महापौर कुसुम यादव भी रही मौजूद

-बिना लाइसेंस चल रहे मीट की दुकान, होटल और रेस्टोरेंट पर करें सख्त कार्रवाई

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। नगर निगम हेरिटेज जयपुर की लाइसेंस समिति की बैठक सोमवार को हेरिटेज निगम मुख्यालय में आयोजित की गई। इस दौरान समिति चेयरमैन महेंद्र पहाड़िया ने बताया कि हेरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव की अध्यक्षता में समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें बिना लाइसेंस चल रही मीट की दुकान, होटल और रेस्टोरेंट पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही महापौर ने निगम अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मंगलवार को मीट की दुकानें खुलने पर कार्रवाई करें। अगर नियमों की अवहेलना में दुकानें खोली जाएं तो सीज की कार्रवाई की जाएं।

डेयरी बूथ पर भी की जाएं जांच

बैठक में महापौर कुसुम यादव ने निगम क्षेत्र में आवंटित डेयरी बूथ के बारे में जानकारी ली,साथ ही निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि कई डेयरी बूथ निर्धारित स्थान पर नहीं है। साथ डेयरी बूथ पर दूध बेचने के बजाए अन्य सामग्री बेची जा रही है। समिति चेयरमैन महेंद्र पहाड़िया और अधिकारी ऐसी डेयरी बूथ का सर्वे कर चिन्हित करें और नियमों के विपरीत चल रही डेयरी बूथ पर कार्रवाई की जाएं। साथ ही विवाह स्थलों का सर्वे कर लाइसेंस रिन्यू नहीं करने पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

बकाया राशि पेंडिंग केसों में लाएं कमी, राशि जमा नहीं करने पर करें सख्ती

महापौर कुसुम यादव ने निगम अधिकारियों से डेयरी बूथ पर बकाया राशि पेंडिंग होने के बारे में भी जानकारी ली, साथ ही सख्ती से राशि जमा कराने के निर्देश दिए। इस दौरान लाइसेंस समिति के चेयरमैन महेंद्र पहाड़िया, सदस्य पार्षद अनीता जैन, पार्षद माया नैनीवाल, विक्रम सिंह शेखावत, हरजिंद्र सिंह, रोहित गौतम, राजस्व अधिकारी प्रथम अनिता मित्तल, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सोनिया अग्रवाल, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ योगेश शर्मा, चेतन सुखीजा सहित निगम अधिकारी मौजूद रहे।

राजकीय चिकित्सालय रामगंज में टोंटी-नल चोरी

-चोरी की वारदात करने वाला रामगंज पुलिस की गिरफ्त में

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। रामगंज राजकीय चिकित्सालय में चोरी करने वाले फिरोज उर्फ मक्खी पुत्र गुलाम रसूल, उम्र 22 साल को रामगंज थाना पुलिस ने तफतीश के बाद गिरफ्तार कर लिया। अस्पताल दोपहर 3:00 बजे बंद होने के बाद चोर अस्पताल की छत की जाली काटकर अंदर घुसा और 10 से 15 नल चोरी करके ले गया। इस आशय की रिपोर्ट रामगंज चिकित्सालयाधिकारी डॉ. भूपेंद्र कुमार ने रामगंज थाने में दर्ज करवाई। एफआईआर दर्ज करने के बाद रामगंज थानाधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह ने मामले को गंभीरता से लिया और चोर को पकड़ने के लिए टीम गठित की। जिसमें हैड कांस्टेबल बाबूलाल, कांस्टेबल साबिर खान एवं रतिराम को शामिल किया। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर एवं आस पड़ौस की पूछताछ के बाद चोर को पकड़ने की योजना बनाई।

थानाधिकारी के निर्देश पर टीम ने आरोपी फिरोज उर्फ मक्खी को पकड़कर 12 नल-टूटी को बरामद कर लिया। मुल्जिम नशा करने का आदी है, जो नशा करने के बाद चोरी करता है।

मुल्जिम ने पहले भी जयपुर शहर में चोरियां करना बताया है। मुल्जिम द्वारा की गई अन्य वारदात के बारे में पूछताछ की जा रही है।घटना की एफआईआर 27 अप्रैल 2025 को दर्ज करवाई गई।

दस लाख की अवैध वसूली और जमीन पर कब्जे की कोशिश, पुलिस ने दर्ज किया मामला

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के गलता गेट थाना क्षेत्र में एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें जामिया तूल हिदाया ट्रस्ट के सचिव डॉ. मोहम्मद शोएब ने दस लाख रुपये की अवैध वसूली के लिए धमकाने और डराने के आरोप में इस्तगासा पेश किया है। इस मामले की पैरवी एडवोकेट मो असलम ख़ान व मो आरिफ ने की। डॉ. शोएब ने हिस्ट्रीशीटर वसीम खान, उसके सोतेले बेटे बिलाल, और उनके सहयोगी रिजवान खान, बबलू शकील, राजन वाशिद, और आज़म खान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि इन आरोपियों ने जामिया तूल हिदाया यूनिवर्सिटी की ज़मीन पर अवैध कब्जा करने की कोशिश की और फिरौती नहीं देने पर डॉ. शोएब के परिवार को जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में जज आयुषी गोयल ने पुलिस को भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के तहत FIR दर्ज कर जांच करने के आदेश दिए हैं। जामिया तूल हिदाया ट्रस्ट के अध्यक्ष फ़ज़लूरहीम ने स्पष्ट किया कि ट्रस्ट की सारी ज़मीन वक़्फ़ है और इसे न बेचा जा सकता है, न खरीदा जा सकता है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे किसी भी तरह के झांसे में न आएं।

गलता गेट थाना इलाके में घर के बाहर खड़ी गाड़ी के शीशे तोड़े

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गलता गेट थाना क्षेत्र के बास बदनपुरा की गणेश कॉलोनी में उस वक्त अफरातफरी मच गई जब कुछ लोगों ने एक घर में घुसकर झगड़ा किया और घर के बाहर खड़ी गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। आरोप रामप्रसाद और उसके साथियों पर है, जिन्होंने कथित तौर पर शिवांशु शर्मा के घर आकर मारपीट की और उनकी गाड़ी को नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद पीड़ित शिवांशु शर्मा ने गलता गेट थाने में शिकायत दर्ज करवाई, शिवांशु, रामप्रसाद और साथियों के डर से काफी परेशान है। पुलिस जांच करने के बाद ही घटना के दोषियों पर कार्यवाही कर पाएगी। मामला आपसी रंजिश का दिखाई देता है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामले की जांच एएसआई ज्ञानप्रकाश को सौंपी है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की पहचान और घटना की असल वजह जानने में जुटी है।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

जब ओवैसी ने पाकिस्तान को आईना दिखाया, याद आए सैयद शहाबुद्दीन

सैयद शहाबुद्दीन (राजनयिक एवं सांसद) और असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेता अक्सर देश की राजनीति में हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण से जोड़े जाते रहे हैं, और कई बार इन्हें कट्टरपंथी छवि के तौर पर भी देखा गया है। मगर इतिहास में झांकें तो 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान सैयद शहाबुद्दीन ने जिस साफ और कड़ा रुख पाकिस्तान के खिलाफ अपनाया था, वो उनके असली राष्ट्रवादी सोच को दिखाता है। उसी तरह हालिया भारत-पाक तनाव के दौरान असदुद्दीन ओवैसी ने भी एक ज़िम्मेदार और देशभक्त नेता की भूमिका निभाई है। उनके बयान और रवैया इस बार पूरी तरह स्पष्ट, संतुलित और राष्ट्रीय हित में रहे हैं, जिस पर न सिर्फ आम जनता बल्कि विश्लेषकों ने भी तारीफ की है। पाकिस्तान मामलों के जानकार सुशांत सरीन ने भी इस बात को खुले तौर पर माना कि विपक्ष के कुछ नेताओं—खासतौर पर ओवैसी—ने इस बार एक सच्चे भारतीय नागरिक की तरह व्यवहार किया है। यह रवैया बताता है कि विचारधारा या पहचान चाहे जैसी हो, जब बात मुल्क की होती है, तो असली नेतृत्व वही है जो देशहित को सबसे ऊपर रखे। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद असदुद्दीन ओवैसी का एक बदला हुआ रूप सामने आया है, जैसे उनकी सोच और शैली में एक नया तेवर आ गया हो। इस हमले के बाद उन्होंने जो तेज़, स्पष्ट और राष्ट्रवादी बयान दिए हैं, उसने हर तबके के लोगों को प्रभावित किया है। अपनी बेबाक और दमदार भाषण शैली के लिए पहचाने जाने वाले ओवैसी ने इस बार न सिर्फ पाकिस्तान को सख़्त लहजे में घेरा, बल्कि उसके सहयोगी मुल्कों जैसे तुर्किये को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने तुर्किये की दोहरी नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर तुर्की इराक और सीरिया की सरहदों में घुसकर वहां के कुर्द उग्रवादियों पर बमबारी कर सकता है, तो फिर भारत की कार्रवाई पर उसे आपत्ति करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। ओवैसी का यह अंदाज़ न सिर्फ उनके आलोचकों को चौंकाने वाला रहा, बल्कि यह भी दिखाता है कि जब बात आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा की आती है, तो वो अपने राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर देश के साथ खड़े नज़र आते हैं। यह रवैया उन्हें एक परिपक्व और ज़िम्मेदार नेता के रूप में पेश करता है। सर्वदलीय बैठक में ओवैसी ने नरेंद्र मोदी सरकार की तारीफ करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), जो लश्कर-ए-तैयबा का ही एक संगठन है और जिसने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी, के खिलाफ एक वैश्विक अभियान चलाने का सुझाव दिया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, 'मैंने हमारे सशस्त्र बलों और सरकार को ऑपरेशन सिंदूर चलाने के लिए बधाई दी। मैंने सुझाव दिया कि हमें टीआरएफ के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय अभियान चलाना चाहिए। हमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अमेरिका से इसे आतंकवादी संगठन घोषित करवाना चाहिए। फरवरी में हाफिज अब्दुर रऊफ ने पीओके में भाषण दिया था कि हम इस साल जिहाद करना चाहते हैं। वे जिहाद के नाम पर केवल हत्याएं करना चाहते हैं और आतंक फैलाना चाहते हैं। पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालना चाहिए।' ओवैसी ने ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ पाकिस्तान द्वारा चलाए गए अभियान का नाम 'बुनयान-अल-मरसूस' रखे जाने पर भी उसकी जमकर खिंचाई की। उन्होंने अपनी पार्टी की एक मीटिंग में कहा, 'पाकिस्तान ने अपने नए ऑपरेशन का नाम 'बुनयान-अल-मरसूस' रखा है। यह कुरआन शरीफ की एक आयत से लिया गया है, जिसमें अल्लाह कहता है कि अगर तुम अल्लाह से मोहब्बत करते हो तो एक मजबूत दीवार की तरह खड़े हो जाओ। लेकिन पाकिस्तान की फौज और हुकूमत झूठी है।

इसी आयत के पहले अल्लाह यह भी कहता है कि तुम ऐसी बातें क्यों कहते हो जिन पर खुद अमल नहीं करते हो।' ओवैसी के मुताबिक, ये (पाकिस्तानी) इतने झूठे हैं कि कुरआन के मकसद को ही समझना नहीं चाहते। ओवैसी ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि क्या उन्हें वह वक्त याद नहीं, जब उन्होंने ईस्ट पाकिस्तान में बंगाली मुसलमानों पर गोलियां चलाई थीं। क्या तब वे दीवार की तरह खड़े थे? सैयद शहाबुद्दीन की याद दिला दी..." 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान सैयद शहाबुद्दीन, जो उस समय भारतीय विदेश सेवा में राजनयिक थे, ने जिस स्पष्टता और देशभक्ति से बांग्लादेश के निर्माण का समर्थन किया था, वह उस दौर में एक साहसिक कदम था। उनका यह मानना था कि 1971 भारतीय मुस्लिम राजनीति के लिए एक निर्णायक मोड़ था, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान न तो भारत के मुसलमानों के लिए कोई उम्मीद है, न ही खुद उसके पास कोई ठोस भविष्य। शहाबुद्दीन ने लिखा था कि 1971 के बाद मुसलमानों ने यह शिद्दत से महसूस किया कि उनकी उम्मीदें, उनके हक़ और उनकी तरक्की सिर्फ़ और सिर्फ़ भारत में ही मुमकिन है। यह एहसास उनके लिए सिर्फ़ एक विचार नहीं था, बल्कि एक नई राह, एक नया इरादा था — अपने हालात को सुधारने का, समाज में बराबरी से खड़े होने का। अब जब ओवैसी ने पहलगाम हमले के बाद जो रुख अपनाया है, पाकिस्तान की तीखी आलोचना, तुर्किये जैसे सहयोगी देशों को लताड़ना और आतंकवाद पर बिना लाग-लपेट के साफ़ स्टैंड लेना।

तो यह न सिर्फ़ उनकी राजनीतिक परिपक्वता का संकेत है, बल्कि शहाबुद्दीन की तरह एक जिम्मेदार, स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर भारतीय मुस्लिम नेतृत्व की झलक भी देता है।उस सोच की ताज़गी है जिसमें देशभक्ति किसी विशेष वर्ग की जागीर नहीं, बल्कि हर भारतीय की ज़िम्मेदारी है। सैयद शहाबुद्दीन का परिचय भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के पूर्व अधिकारी और सांसद सैयद शहाबुद्दीन का जन्म 4 नवंबर 1935 को रांची में हुआ था। उनकी मां का नाम सकीना बानो और पिता सैयद निजामुद्दीन थे। बाद में यह परिवार बिहार शिफ्ट हो गया। सैयद शहाबुद्दीन शासन प्रणाली के सभी स्तर पर लोगों की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी के पक्षधर थे। वह संयुक्त बिहार के समय बिहार स्कूल परीक्षा समिति की मैट्रिक परीक्षा में टॉपर रहे। साल 1958 में भारतीय विदेश सेवा से अपने करियर की शुरुआत करने वाले शहाबुद्दीन 1978 में इस्तीफा देकर राजनीति में आए। वह लोकसभा और राज्यसभा के सांसद रहे। वहीं आल इंडिया मुस्लिम मजलिस-ए-मुशावरात के 2004 से लेकर 2007 तक अध्यक्ष रहे। बाबरी मस्जिद और शाहबानो मुद्दों पर उनके सख्त रुख के कारण कई लोग उन्हें कट्टरपंथी मानते थे, लेकिन शहाबुद्दीन वामपंथी राजनीति के समर्थक थे और गर्व से स्वयं को समाजवादी कहते थे।

शहाबुद्दीन के मुताबिक बांग्लादेश के निर्माण ने भारतीय मुस्लिमों को भारतीय राजनीति में भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। 1971 के पहले भारतीय मुसलमान शायद ही अपनी बात खुलकर कहते थे, लेकिन इसके बाद वे भी मुखरता से अपने विचार रखने लगे और उन्होंने अपनी शिकायतों को स्वर देना भी शुरू कर दिया। वे मुख्यधारा से जुड़ने लगे। बांग्लादेश के निर्माण के लिए चल रहे संघर्ष के दौरान शहाबुद्दीन ने यथासंभव अपनी जिम्मेदारी से कहीं अधिक काम किया। उस समय वे वेनेजुएला में भारत के चार्ज डी अफेयर्स (प्रभारी राजदूत) के रूप में सेवा दे रहे थे। उनके कार्यों की सराहना की गई। उन्हें विदेश मंत्रालय की ओर से एक पत्र भी मिला, जिसमें कहा गया था कि लैटिन अमेरिका में स्थित भारत के चार पुराने दूतावासों ने बांग्लादेश की मुक्ति के लिए उतना काम नहीं किया, जितना शहाबुद्दीन ने अकेले किया।

उन्होंने स्पैनिश भाषा धाराप्रवाह बोलना भी सीख लिया था और वेनेजुएला में समाज के सभी वर्गों के साथ वे सतत संपर्क में थे। 1969 में वेनेजुएला में जब भारतीय दूतावास की स्थापना हुई, तो उस वक्त शहाबुद्दीन को वहां का पहला भारतीय राजनयिक प्रतिनिधि बनाया गया। चूंकि वे उतने वरिष्ठ पद पर नहीं थे कि उन्हें राजदूत बनाया जाता, इसलिए उन्हें 'चार्ज डी अफेयर्स' नियुक्त किया गया। 1971 में उन्होंने तीन बार वेनेजुएला की संसद (नेशनल कांग्रेस) से बांग्लादेश के निर्माण के समर्थन में प्रस्ताव पारित करवाए। उन्होंने इस मुहिम का समर्थन देने के लिए कैथोलिक चर्च को भी राजी किया। मजदूर संगठनों से भी समर्थन हासिल किया। बकौल शहाबुद्दीन, '1972 में जब मैं वेनेजुएला छोड़ रहा था, तब वहां के एकमात्र अंग्रेजी अखबार 'द डेली जर्नल' ने एक संपादकीय लिखा, जिसमें मुझे 'बांग्लादेश का मानद राजदूत' कहा गया।'

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

मुसलमानों ने बता दिया कि देशभक्त कौन है !

भारत-पाकिस्तान का संघर्ष विराम हो चुका है, सीमाओं पर शांति है। भारत की फौजों ने पाकिस्तान की नापाक करतूत का मुंह तोड़ जवाब दिया। दो-तीन दिन की झड़पों में भारतीय सेना ने पाकिस्तान सेना और पाकिस्तानी नेताओं को घुटनों पर ला दिया। पाकिस्तान ने हवाई, ड्रोन एवं मिसाइल हमले किए। लेकिन शक्तिशाली भारतीय सेना ने देश की सीमा में घुसने से पहले इन सबको मार गिराया। भारतीय सेना ने दिखा दिया कि देश की रक्षा के लिए पाकिस्तान या किसी भी देश में घुसकर मारना उसके लिए असंभव नहीं है। युद्ध की स्थिति में देश को दुश्मन पर तब ही सफलता या विजय मिलती है जब देश की जनता की ओर से हर प्रकार का सहयोग मिलता है। दुश्मन देश पाकिस्तान ने पहले तो धर्म पूछ कर आतंकवादी हमला करवाया और फिर भारत देश में हिंदू-मुस्लिम के बीच टकराव करवाने के लिए चालें चली। पाकिस्तान की कुटिल चालों का साथ देश के अंदर कुछ राजनेताओं, संगठनों एवं भटके हुए लोगों ने भी दिया। लेकिन भारत-पाकिस्तान में तनाव के बीच देश के मुसलमानों ने मोदी सरकार, प्रदेश सरकारों, सुरक्षा बलों एवं सरकारी एजेंसियों एवं सरकारी नीतियों का एक तरफा आंख बंद करके साथ दिया और देश को मुश्किल समय में मजबूती प्रदान की। देश में मुस्लिम समुदाय का बच्चा, बड़ा, औरत और मर्द देश की कुर्बानी के लिए तैयार बैठा था।मुस्लिम समुदाय के राजनेताओं, कार्यकर्ताओं, सरकारी कर्मचारियों, अधिकारियों, व्यवसायियों, आम आदमी एवं सेनाओं में कार्यरत मुसलमानों ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए कमर कस ली थी। मुस्लिम पत्रकारों एवं समाजसेवियों ने भी मुस्लिम अवाम को पाकिस्तान को सबक सिखाने, उसके विरोध में खड़ा करने में बड़ा योगदान दिया। इस दौरान मुसलमानों की पाकिस्तान के विरोध में आंदोलन और रुख को देखकर ऐसे लोग गायब हो गए हैं, जो मुसलमानों से बात-बात पर देशभक्ति का सर्टिफिकेट मांगते थे। इस अवसर पर मुसलमानों ने बता दिया कि देश का मुसलमान सबसे ज्यादा देशभक्त है और देश की खातिर कुर्बानी देने से कभी भी पीछे नहीं हटेगा। भारत का मुसलमान देश पर संकट आने पर कुर्बानी देने के लिए तैयार है, जिस तरह देश के स्वतंत्रता संग्राम में कुर्बानी मुसलमानों ने दी थी।

आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता: पहलगाम का रक्तपात और भारत की मानवता

22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुआ भयानक आतंकवादी हमला, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई और 20 से ज़्यादा लोग घायल हो गए, न सिर्फ़ क्रूरता का काम है, बल्कि यह मानवता के साथ विश्वासघात भी है। सैन्य वर्दी पहने आतंकवादियों द्वारा किए गए इस हमले में हिंदू पर्यटकों को निशाना बनाया गया, जिसमें हत्यारों ने अपने पीड़ितों को मारने से पहले उनके धर्म की पुष्टि की। इस तरह की बर्बरता न सिर्फ़ राष्ट्र के खिलाफ़ अपराध है, बल्कि इस्लाम के मूल मूल्यों का सीधा अपमान है, एक ऐसा धर्म जो शांति, न्याय और जीवन की पवित्रता को दृढ़ता से बनाए रखता है। कुरान में स्पष्ट रूप से कहा गया है: "जो लोग तुमसे लड़ते हैं, उनके खिलाफ़ ईश्वर के मार्ग में लड़ो, लेकिन उल्लंघन मत करो। निश्चित रूप से, ईश्वर उल्लंघन करने वालों से प्यार नहीं करता" । हिंदू, ईसाई, मुस्लिम या किसी भी अन्य धर्म के निर्दोष लोगों की हत्या की स्पष्ट रूप से निंदा की जाती है। राजनीतिक लाभ या विकृत विचारधाराओं के लिए नागरिकों की हत्या करने वालों के लिए इस्लाम में कोई जगह नहीं है। यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि भारत में 172.2 मिलियन से अधिक मुसलमान रहते हैं, जो उन्हें सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समूह बनाता है। ये मुसलमान बाहरी नहीं हैं; वे भारत की आत्मा का अभिन्न अंग हैं। पूरे देश में, भारतीय मुसलमान आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं, भाईचारे, सद्भाव और देशभक्ति को बढ़ावा दे रहे हैं। पहलगाम हमले के दौरान कश्मीरी मुसलमानों की हरकतें इसी भावना का सबूत हैं। कई लोगों ने घायल पर्यटकों की रक्षा और बचाव के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी, पीड़ितों के धर्म की अनदेखी की और केवल मानव जीवन को बचाने पर ध्यान केंद्रित किया। ऐसी बहादुरी आतंकवादियों की कायरता के बिल्कुल विपरीत है। जब कोई आधिकारिक मदद नहीं मिली तो स्थानीय मुसलमानों ने पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाया। कुछ ने आधान के लिए अपना खून दिया। उनके कार्यों ने जोर से घोषणा की: मानवता नफरत से ऊपर है, और कश्मीर का दिल शांति के लिए धड़कता है। प्रमुख इस्लामी संगठनों ने भी इस हमले की निंदा की है। अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख इमाम उमर अहमद इलियासी ने आतंकवाद के खिलाफ 5.5 लाख मस्जिदों में नमाज़ का आह्वान किया, इस बात पर जोर देते हुए कि निर्दोष लोगों के हत्यारों को भारतीय धरती पर दफनाया नहीं जा सकता। जमीयत उलमा-ए-हिंद के मौलाना अरशद मदनी ने आतंकवादियों को "जानवर" बताया, जबकि जमात-ए-इस्लामी हिंद के सैयद सदातुल्लाह हुसैनी ने पीड़ितों के लिए त्वरित न्याय की मांग की। इस महत्वपूर्ण क्षण में, चरमपंथी कार्रवाइयों को पूरे समुदाय को परिभाषित नहीं करने देना महत्वपूर्ण है। कुछ लोगों के अपराधों के लिए इस्लाम या भारतीय मुसलमानों को दोषी ठहराना अन्यायपूर्ण और खतरनाक दोनों है। इस्लाम, अपने मूल में, ईश्वर की शांति, दया और न्याय के प्रति समर्पण का धर्म है। आतंकवाद का कोई धर्म नहीं है, और इसके अपराधियों का कोई ईमान नहीं है। कुरान मुसलमानों को याद दिलाता है: "धर्म में कोई जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए" और उन्हें नफरत के सामने भी न्याय करने का निर्देश देता है। आतंकवादी जो निर्दोष लोगों को मारते हैं, शवों के साथ सेल्फी लेते हैं, और राजनीतिक उद्देश्यों के लिए डर पैदा करते हैं पहलगाम के रक्तपात से हमारा सामूहिक संकल्प मजबूत होना चाहिए: एकता की रक्षा करना, घृणा का प्रतिरोध करना, तथा यह पुष्टि करना कि भारत की शक्ति सांप्रदायिक विभाजन में नहीं, बल्कि करुणा में निहित है।

इस्लाम में हर दिन मदर्स डे है

मदर्स डे, यानी मातृ दिवस, माँ को सम्मान देने और उनके प्रति प्यार और आभार व्यक्त करने का दिन होता है। यह हर साल मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। इस दिन हम अपनी माँ के अथक समर्पण, त्याग और प्यार को याद करते हैं और उन्हें धन्यवाद देते हैं।

मदर्स डे का इतिहास

मदर्स डे की शुरुआत 1907 में एना जार्विस ने की थी, जिन्होंने अपनी माँ की याद में एक स्मारक सेवा आयोजित की थी। एना की माँ एन रीव्स जार्विस एक शांति कार्यकर्ता थीं, जिन्होंने गृहयुद्ध के दौरान घायल सैनिकों की देखभाल की थी। एना ने अपनी माँ की श्रद्धा और प्यार के चलते इस दिन की शुरुआत की, और आज यह दिन दुनिया भर में माँ को सम्मान देने के रूप में मनाया जाता है।

हालांकि, आजकल पश्चिमी देशों और कई अन्य जगहों पर माँ-बाप को नज़रअंदाज़ किया जाता है और उन्हें ओल्ड एज होम (बुजुर्गों के घर) में भेज दिया जाता है। ऐसे में कम से कम एक दिन, जैसे मदर्स डे या फादर्स डे, उन्हें खुश रखने और उनका सम्मान करने का एक मौका बनता है। लेकिन इस्लाम हमें सिखाता है कि हमें माँ-बाप के साथ प्यार और इज़्ज़त का व्यवहार हर दिन करना चाहिए, ना कि सिर्फ एक खास दिन पर।

इस्लाम में माँ का रुतबा

क़ुरआन में अल्लाह तआला ने फ़रमाया:

"अल्लाह की इबादत करो और उसके साथ किसी को शरीक मत ठहराओ, और माँ-बाप के साथ अच्छा सुलूक करो।"

(सूरह अन-निसा: 36)

यह आयत बताती है कि माँ-बाप की सेवा और सम्मान करना कितना अहम है। इस्लाम में माँ-बाप का सम्मान करना और उनके साथ अच्छा व्यवहार करना सिर्फ एक अच्छे इंसान बनने का नहीं, बल्कि अल्लाह की □□□ (खुशी) का भी रास्ता है।

माँ की अहमियत

एक मशहूर हदीस में किसी शख्स ने रसूलुल्लाह □ से पूछा: "किसके साथ सबसे अच्छा सुलूक करना चाहिए?" आप □ ने तीन बार फ़रमाया: "तुम्हारी माँ" और फिर चौथी बार कहा: "तुम्हारा पिता"। इस हदीस से साफ़ है कि माँ को तीन बार क्यों ज्यादा अहमियत दी गई—क्योंकि वही हैं जिन्होंने हमें 9 महीने अपने पेट में रखा, जिन्होंने रातों की नींद कुर्बान की और हमें हर तकलीफ से बचाया। क्या किसी एक गुलदस्ते या एक दिन के तोहफे से हम इन सभी कुर्बानियों का बदला चुकता कर सकते हैं?

इस्लाम में माँ के लिए हमारी जिम्मेदारियाँ

हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम अपनी माँ की इताअत करें, जब तक कि वह अल्लाह और उसके रसूल के खिलाफ़ न बोलें। हमें हमेशा अच्छे लहजे में उनके साथ पेश आना चाहिए, नरमी और मोहब्बत से। हमें उनकी दुआ करनी चाहिए, अल्लाह से उनकी माफी और रहमत की दुआ माँगनी चाहिए। उन्हें इज़्ज़त देनी चाहिए और कभी-कभी उन्हें तोहफे भी देने चाहिए।

प्रेरणादायक माँएं

इस्लाम में कई ऐसी महिलाएं हैं जिन्होंने माँ के रूप में आदर्श पेश किया। उनकी कहानियाँ हमें अपनी माँ की अहमियत समझाने में मदद करती हैं।

1. मरियम (अ.स.), हज़रत ईसा (अ.स.) की माँ:

बीबी मरियम की कहानी क़ुरआन में बताई गई है, जिसमें उनकी ईमानदारी, विनम्रता और अल्लाह पर भरोसा दिखाया गया है। उन्होंने समाज की मुश्किलों के बावजूद ईसा (अ.स.) को बहुत प्यार से पाला और इस्लाम की तालीम दी।

2. हज़रत मूसा (अ.स.) और हज़रत हारून (अ.स.) की माँ:

जब फिरौन ने बच्चों को मारने का हुक्म दिया, तो हज़रत मूसा (अ.स.) की माँ ने अपने बेटे को टोकरी में डालकर दरिया में छोड़ दिया। उनका यह कदम माँ के अनमोल प्यार और विश्वास को दर्शाता है।

3. हाज़रा (अ.स.), हज़रत इस्माईल (अ.स.) की माँ:

बीबी हाज़रा ने रेगिस्तान में पानी की तलाश में दौड़कर अल्लाह पर भरोसा किया। उनकी मेहनत और सब्र से ज़मज़म का पानी निकला। उनका संघर्ष और त्याग हमें यह सिखाता है कि जब हम परेशान होते हैं तो हमें सिर्फ अल्लाह पर भरोसा रखना चाहिए।

माँ समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभाती हैं। उनका प्यार, देखभाल और तालीम बच्चों को अच्छे इंसान बनाने में मदद करती है।

माँ की शिक्षा सिर्फ घर तक सीमित नहीं रहती, बल्कि समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाती है। इसलिए, हमें अपनी माँ की अहमियत समझनी चाहिए और उनके आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस्लाम हमें सिखाता है कि माँ के प्रति प्यार और सम्मान हर दिन होना चाहिए, न कि सिर्फ एक खास दिन पर।

भारतीय राष्ट्रवाद के प्रतीक:- अल्लाह बख़्श सूमरो

आजादी का भूला बिसरा हीरो अल्लाह बख्श सूमरो जिसने धर्म के नाम देश के बंटवारे के खिलाफ अपनी आवाज़ बुलंद की तथा कई हज़ारों लोगों का जनसमर्थन हासिल किया। देश के इस महान शहीद का जन्म सन 1900 में शिकारपुर में एक सिंधी परिवार में हुआ। वे ब्रिटिश कालीन भारत के जमीदार,सरकारी ठेकेदार,स्वतंत्रता सेनानी व राजनेता थे। वह सिंध के सबसे श्रेष्ठ राजप्रमुखों में गिने जाते है। वह सिंध प्रान्त के दो बार मुख्यमंत्री रहे थे। अल्लाह बख्स सूमरो ने इस्लामिक संघठनो ओर राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करने के लिए अखिल भारतीय आज़ाद मुस्लिम सम्मेलन की स्थापना की, जिन्होंने एकजुट हिंदुस्तान का समर्थन किया ओर भारत के विभाजन का विरोध किया। 27 से 30 अप्रैल 1940 के बीच अल्लाह बख़्श सूमरो ने दिल्ली में देशभक्त मुसलमानों का एक बड़ा सम्मेलन आयोजित किया, जिसमे पूरे देश से लगभग 75000 लोग हिस्सा लेने पहुंचे थे। अंग्रेज सूमरो के आंदोलन से काफी नाराज थे, ओर इसी वजह से उन्हें दी गई 'खान बहादुर' की उपाधि वापस ले ली तथा उन्हें सिंध के मुख्यमंत्री पद से भी हटा दिया। धार्मिक आधार पर बंटवारे का विरोध करने वाले सूमरो से मुस्लिम लीग व जिन्ना नफ़रत करते थे। उनका मानना था कि भारत एक देश बने जिसे संयुक्त राज्य भारत कहा जाए, जहां हिन्द ओर मुस्लिम मिलकर रहे। साम्प्रदायिकता के सख्त विरोधी रहे सूमरो की लोकप्रियता का अंदाज़ा इसी बात से लगता है कि खान अब्दुल गफ्फार खान और मोलाना आज़ाद भी उनके तर्क के समर्थक थे। 14

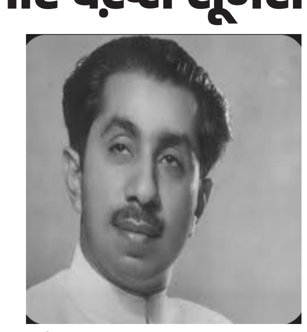

मई 1943 को अल्लाह बख़्श सूमरो की हत्या कर दी गई जब वे अपने गृहनगर शिकारपुर में तांगे से यात्रा कर रहे थे। अफवाह थी कि मुस्लिम लीग ने उनकी प्रसिद्धि से घबराकर उनकी हत्या करवाई थी। राजनीतिक विश्लेषकों ने उनके लिए यहां तक कहा था सिंध विधानसभा पाकिस्तान के प्रस्ताव का समर्थन नही करती अगर उस समय अल्लाह बक्श सूमरो जीवित होते।

हसरत मोहानी गंगा जमुनी तहजीब के महान इंकलाबी शायर

बहुत सारे हिंदुस्तानी शायर ऐसे हुए हैं जिनकी कलम ने अपनी ताकत पर भारतीयों को अंग्रेजो के खिलाफ लड़ने के लिए उत्साहित किया है, उन्हीं फेहरिस्त में इंकलाब जिंदाबाद का नारा देने वाले आजादी के सच्चे सिपाही मौलाना हसरत मोहानी जो मादरे वतन के लिए अंग्रेजो के खिलाफ हमेशा आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते रहे का प्रमुखता से आता है। 1 जनवरी 1875 को उन्नाव के मोहान गांव में जन्मे हसरत मोहानी एक बेहतरीन शायर थे उन्हें पढ़ाई का शौक बचपन से ही था यही कारण था कि उन्होंने राज्य स्तरीय परीक्षा में टॉप किया था अपनी गजलों में उन्होंने रूमानियत के साथ-साथ समाज, इतिहास और सत्ता के बारे में काफी कुछ लिखा है और अपनी उर्दू शायरी के माध्यम से औरतों को ऊंचा मुकाम दिया है। मौलाना हसरत मोहानी हिंदू-मुस्लिम एकता के पक्षधर थे। आजादी की रवायत के मुताबिक वे अवध की तहजीब के प्रतिनिधि कवि हैं और रसखान के बाद कृष्ण पर फिदा एक अजीम शख्सियत। उनका इस्लाम पर पक्का विश्वास था लेकिन दूसरों के विश्वास और धर्म का आदर हसरत मोहानी करते थे। उनका हिंदुस्तानी मुसलमानों को संदेश है कि वह अपने ईमान पर कायम रहते हुए हिंदुस्तान की परंपराओं से जुड़े रह सकते हैं अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान ही उन में देशभक्ति का जज्बा जगह था

1930 में अपनी किताब के जरिए अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों की आलोचना की 1904 में वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए और राष्ट्रीय आंदोलन में कूद पड़े और 1905 में उन्होंने बाल गंगाधर तिलक द्वारा चलाए गए स्वदेशी आंदोलन में भी हिस्सा लिया। 1907 में अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया महात्मा गांधी ने उनको महान बताया और आजादी के आंदोलन में उनकी भागीदारी की अनेक मौके पर तारीख की है 1921 में इंकलाब जिंदाबाद का नारा देने वाले हसरत मोहानी ही थे, इस नारे को बाद में भगत सिंह ने अपना कर मोहानी साहब और नारे को अमर बना दिया।

आज भी जब कहीं गैर बराबरी और सत्ता के खिलाफ कोई विरोधी आंदोलन चलता है, तो इंकलाब जिंदाबाद का नारा उसका खास हिस्सा होता है। वह बाल गंगाधर तिलक, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के करीबी दोस्त थे, तथा भारत के पूर्ण स्वराज्य की मांग के हिमायती थे। 1946 में उत्तर प्रदेश राज्य से संविधान सभा के सदस्य के रूप में इनको भेजा गया था। भारत विभाजन का इन्होंने विरोध किया और अपने भारतीय होने पर नाज किया, हिंदू-मुस्लिम एकता की विरासत को संजोए इस महान व्यक्तित्व ने 13 मई1951 को दुनिया को अलविदा कह दिया।

मेहमान नवाज़ी के आदाब...

मेहमानों का इस्तक़बाल करना एक अहम दीन की क़ीमती रिवायत है, जिसे अमल में लाना चाहिए। मेहमाननवाज़ी को इस्लाम में बहुत तवज्जो दी गई है। रसूलुल्लाह (□) ने फ़रमाया: "जो शख़्स अल्लाह और आख़िरत के दिन पर ईमान रखता है, उसे चाहिए कि अपने मेहमान का इकराम करे।" (बुख़ारी व मुस्लिम)।

1. मेहमान को सलाम करना या ख़ुशआमदीद कहना

इस्लाम में मेहमान का स्वागत सलाम या ख़ुशआमदीद कहकर करना सबसे पहला अदब है। इससे मेहमान को इज़्ज़त और अहमियत मिलती है। रसूलुल्लाह (□) ने फ़रमाया: "जब कोई तुम्हारे घर आए तो उसे सलाम कहना चाहिए। अगर उसे इजाज़त दी जाए तो दाख़िल हो और अगर ना दी जाए तो वापस चला जाए।" (मुस्लिम)

2. मुस्कराहट के साथ इस्तक़बाल करें

मुस्कराहट एक सादा और मुफ़्त सदक़ा है लेकिन इसका असर बड़ा होता है। रसूलुल्लाह (□) ने फ़रमाया: "कोई भी नेकी को हल्क़ा मत समझो, चाहे वो अपने भाई से ख़ुश चेहरा दिखाना ही क्यों ना हो।" (मुस्लिम)

3. महरम की मौजूदगी में मेहमानों को तशरीफ़ लाने दें

अगर मेहमान विपरीत लिंग से हो और महरम ना हो,

तो ऐसे में महरम की मौजूदगी ज़रूरी है। रसूलुल्लाह (□) ने फ़रमाया: "किसी मर्द और औरत को अकेले नहीं होना चाहिए, जब तक कि उनका महरम साथ न हो।" (बुख़ारी व मुस्लिम)

4. साफ़-सुथरे और शरीफ़ाना लिबास पहनें

अच्छा लिबास पहनना इस बात की अलामत है कि आप मेहमान की क़द्र करते हैं।

रसूल (□) ने फ़रमाया: "अल्लाह ख़ूबसूरत है और ख़ूबसूरती को पसंद करता है।" (मुस्लिम)

5. मेहमान को आराम से बैठने की जगह दें

मेहमान को तसल्ली से बैठाना उसकी तवज्जो और इज़्ज़त का सुबूत है। रसूल (□) ने फ़रमाया: "जो अल्लाह और आख़िरत के दिन पर ईमान रखता है, वो अपने मेहमान को अच्छी जगह दे।" (बुख़ारी व मुस्लिम)

6. सफ़ाई और तरतीब का ख़याल रखें

घर की सफ़ाई और सलीक़ा मेहमान को इत्मिनान और सुकून देता है।

रसूलुल्लाह (□) सफ़ाई पसंद फ़ित्रत के हामी थे।

मुस्लिम रिश्तें

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में मुस्लिम रिश्तों में विज्ञापन देने हेतु संपर्क करें -

मोबाइल: 9772552446, 9799559096

मुस्लिम पठान खूबसूरत लड़की 33/154 सेमी./एम.ए. (इंग्लिश लिटरेचर)/ प्राइवेट कम्पनी में कार्यरत/ दीनी तालीम याफ़्ता, घर के कामों में दक्ष। वालिद प्राइवेट कम्पनी से रिटायर्ड, जयपुर की प्रतिष्ठित फैमिली। सुयोग्य पढ़ा-लिखा, सर्विस क्लास/ बिजनेसमेन लड़का चाहिए। इच्छुक संपर्क करें- 9672079550

Sunni Muslim Girl 32/5.3"/B. Tech in Electronics & Communications/Working in Semi Govt. Deptt./Deeni Taleem yafta/Homely girl. Father retd. from Indian Railway. Well educated and reputed family of Jaipur. Need religious, well educated and settled boy from well reputed family. Contact: 9828453954

Muslim Qureshi Caste Girl 34/5.6"/ Ph.D (Business Management)/MBA (HR & Marketing)/At present an Assistant Professor/Namazi and well versed in Quran. Jaipur based reputed family. Father Businessman. Seeking an educated Sunni Muslim religious boy from reputed family. Interested person contact: 9314966151

चूरू (राजस्थान) निवासी सुन्नी मुस्लिम पठान खान, दीनी तालीम याफ़्ता लड़की 24/5.2"/ एम एस सी (फिजिक्स)/ रंग फेयर, बैंक एग्जाम की तैयारी कर रही है, हेतु सुयोग्य पढ़े - लिखे, सेटल्ड मुस्लिम युवक को प्राथमिकता । इच्छुक व्यक्ति संपर्क करे - मोबाइल: 97851 62654

30/5.3"/ पोस्ट ग्रेजुएट व 27/5.3"/ ग्रेजुएट / दीनी तालीम याफ़्ता, नमाज़ी/ जयपुर निवासी रेप्यूटेड फैमिली। दोनों बैंक में कार्यरत मुस्लिम सैयद युवकों के लिए खूबसूरत, ग्रेजुएट , घर के काम में दक्ष अच्छे घराने की लड़कियां चाहिए। इच्छुक व्यक्ति लड़कियों का बायो डाटा व्हाट्सएप करें - 97995 59096

सैयद मुस्लिम युवती 23/5.5"/ बी ए/खूबसूरत, गृह कार्य में दक्ष व दीनी तालीम याफ़्ता सवाई माधोपुर की प्रतिष्ठित फैमिली हेतु खूबसूरत, दीनदार, नौकरीपेशा/बिजनेसमैन प्रतिष्ठित फैमिली के युवक की आवश्यकता है । संपर्क करें - +91 96369 22143

29 Years Old MBBA Doctor, Working in Dehli , Kota Based Family,Needs MBBS Girls. Contact - 9829068455

Kota Based, 31/5.3/B.tech, PG Diploma in Banking, MBA in Finance, BSTC, Experience 3 years in ICICI Bank [Special Officar], Sunni Muslim Rangrez Girl. Father - Principal, Mother- House Wife, One Younger brothers. Required Educated, Honest life Partner Contact – 9829068455

309 एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (JE ATC) पदों पर भर्ती हेतु अधिसूचना जारी

नई दिल्ली। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) ने 07 अप्रैल 2025 को एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर 309 जूनियर एग्जीक्यूटिव (Air Traffic Controller) पदों पर भर्ती की घोषणा की है। इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार 25 अप्रैल 2025 से 24 मई 2025 तक www.aai.aero पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पद का विवरण:
पद नाम: JE (Air Traffic Controller)
कुल पद: 309

शैक्षणिक योग्यता:
B.Sc (Physics and Mathematics विषयों के साथ) या B.Tech / B.E किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से

आयु सीमा (24 मई 2025 तक):
अधिकतम आयु: 27 वर्ष
नियमानुसार आरक्षित वर्गों को आयु में छूट प्रदान की जाएगी।

आवेदन शुल्क:
सामान्य / ओबीसी / EWS उम्मीदवार: ₹1,000 (GST सहित)
अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / महिला / दिव्यांग / AAI में 1 वर्ष का अप्रेंटिसशिप कर चुके उम्मीदवार: शुल्क में छूट

महत्वपूर्ण तिथियाँ:
ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ: 25 अप्रैल 2025
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 24 मई 2025

चयन प्रक्रिया:
AAI द्वारा चयन प्रक्रिया में ऑनलाइन परीक्षा, दस्तावेज़ सत्यापन, और वॉयस टेस्ट / मेडिकल टेस्ट शामिल हो सकते हैं। विस्तृत जानकारी हेतु आधिकारिक अधिसूचना पढ़ना अनिवार्य है।सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि आवेदन करने से पहले आधिकारिक अधिसूचना को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

आधिकारिक वेबसाइट: www.aai.aero

ASRB NET 2025 के लिए आवेदन शुरू, 582 वैकेंसी

कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (ASRB) ASRB NET 2025 के लिए आवेदन। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट asrb.org.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। प्रीलिम्स एग्जाम 2 से 4 सितंबर 2025 और मेन्स एग्जाम 7 दिसंबर 2025 को होगा।

आवेदन शुरू :
22 अप्रैल से 21 मई 2025 तक

वैकेंसी डिटेल्स :
कृषि अनुसंधान सेवा (ARS) : 458
विषय वस्तु विशेषज्ञ (SMS) : 41
वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (STO) : 83
कुल पदों की संख्या : 582

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
पद के अनुसार, मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में मास्टर या समकक्ष डिग्री, पीएचडी

फीस :
एएसआरबी नेट :
जनरल (UR) : 1000 रुपए
ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
SC/ST/दिव्यांग/महिला/ट्रांसजेंडर : 250 रुपए
एएसआरबी एआरएस :
जनरल (UR) : 1000
ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 800 रुपए
SC/ST/दिव्यांग/महिला/ट्रांसजेंडर : निःशुल्क
एसएमएस और एसटीओ (T6) :
जनरल (UR) : 1000 रुपए
ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 800, SC/ST/दिव्यांग/महिला/ट्रांसजेंडर : निःशुल्क

एज लिमिट :
नेट परीक्षा के लिए :
न्यूनतम 21 वर्ष
अधिकतम : कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं
एसएमएस/एसटीओ के लिए :
न्यूनतम : 21 वर्ष
अधिकतम : 35 वर्ष

सैलरी :
80,000 - 1 लाख तक
सिलेक्शन प्रोसेस :
प्रीलिम्स एग्जाम
मेन्स एग्जाम
इंटरव्यू

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट asrb.org.in पर जाएं।
होमपेज पर "ASRB NET 2025 "एप्लिकेशन" लिंक पर क्लिक करें।
वह परीक्षा चुनें जिसके लिए आप आवेदन करना चाहते हैं।
अब पोर्टल द्वारा निर्देशित अनुसार आवेदन भरें।

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले "रॉयल पत्रिका" को अपने दैनिक समाचार पत्र व "रॉयल पत्रिका" डिजिटल के लिए रिपोर्टर, स्क्रिप्ट राईटर, डी टी पी ऑपरेटर और हॉकर्स (अखबार बांटने वाले) की आवश्यकता है तथा बीजेएमसी के छात्र-छात्राएं इंटर्नशिप हेतु संपर्क करें।
। वेतन योग्यतानुसार ।

इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें - संपादक, रॉयल पत्रिका, मस्जिद शेखान के सामने, घोड़ा निकास रोड, रामगंज बाज़ार, जयपुर 302002
मोबाइल: 8058969180/9799559096

राजस्थान में कॉन्स्टेबल की 9617 भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

राजस्थान पुलिस में कॉन्स्टेबल के 9000 से ज्यादा पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इस भर्ती के लिए आवेदन की शुरुआत 28 अप्रैल 2025 से की जाएगी। आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट police.rajasthan.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकेंगे।

पद : कॉन्स्टेबल

आवेदन शुरु :
28 अप्रैल से 17 मई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास। राजस्थान 12वीं लेवल CET परीक्षा पास होना चाहिए

शारीरिक योग्यता :
हाइट : पुरुषों की हाइट 168 सेमी और महिलाओं की हाइट 152 सेमी होनी चाहिए।
छाती : पुरुषों की सीना 81 सेमी और फूलने के बाद 86 सेमी होना चाहिए।
दौड़ : पुरुषों को 25 मिनट में 5 किमी और महिलाओं को 35 मिनट में 5 किमी दौड़ना होगा।

एज लिमिट :
जन्मतिथि की न्यूनतम तारीख 1 जनवरी 2008 और पुरुषों के लिए अधिकतम तारीख : 2 जनवरी 1999 और महिला ड्राइवरों के लिए 2 जनवरी 1994 होनी चाहिए।
अन्य सभी पद :
न्यूनतम जन्मतिथि 1 जनवरी 2008 और अधिकतम जन्मतिथि पुरुषों के लिए 2 जनवरी 2002, महिलाओं के लिए 2 जनवरी 1997 होनी चाहिए।
उम्र की गणना 1 जनवरी 2026 के आधार पर की जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
लिखित परीक्षा
फिजिकल टेस्ट
स्किल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

फीस :
सामान्य व क्रीमीलेयर के पिछड़ा वर्ग/ अति पिछड़ा वर्ग/ राजस्थान से बाहर के आवेदक : 600 रुपए
राजस्थान के नॉन क्रीमीलेयर के पिछड़ा वर्ग/ अति पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर/ एससी/ एसटी : 400 रुपए

सैलरी :
मैट्रिक्स लेवल - 5 के अनुसार

एग्जाम पैटर्न :
लिखित परीक्षा ओएमआर बेस्ड होगी।
प्रश्न पत्र 150 अंकों का होगा।
इसमें 150 ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्न होंगे।
हर प्रश्न का सही उत्तर देने पर 1 अंक दिया जाएगा।
गलत उत्तर देने पर 25% अंक काटा जाएगा

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट police.rajasthan.gov.in पर जाएं।
Recruitment सेक्शन में जाकर "Constable Recruitment 2025" लिंक पर क्लिक करें।
जरूरी डिटेल्स भरकर डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम में 558 पदों पर भर्ती

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) की ओर से स्पेशलिस्ट ग्रेड-2 के पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए उम्मीदवारों को ऑफलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन की आखिरी तारीख असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, चंबा जिले के पांगी उप-मंडल, और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए 2 जून 2025 तय की गई है।

आवेदन शुरू : 26 अप्रैल से 26 मई तक

वैकेंसी डिटेल्स:
स्पेशलिस्ट ग्रेड II (Sr. Scale) : 155 पद
स्पेशलिस्ट ग्रेड 2 (Jr. Scale) : 403 पद
कुल पदों की संख्या : 558

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
एमडी/ एमएस/ एमसीएच/ डीएम/ डीए/ एमएससी/ डीपीएम के साथ संबंधित क्षेत्र में पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री।
3 से 5 साल का वर्क एक्सपीरियंस

एज लिमिट :
अधिकतम 45 साल
अधिकतम उम्र में उम्मीदवारों को छूट दी जाएगी।

सैलरी :
पद के अनुसार 67,700 - 78,800 रुपए प्रतिमाह
इसके अलावा अन्य अलाउंस भी दिए जाएंगे

फीस :
सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस (पुरुष) : 500 रुपए
एससी/एसटी/दिव्यांग/महिलाएं/ईएसआईसी कर्मचारी/पूर्व सैनिक : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
इंटरव्यू के बेसिस पर।

बैंक ऑफ बड़ौदा में 500 पदों पर निकली भर्ती; 10वीं पास को मौका

बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से चपरासी (Office Assistant/ Peon) के पदों पर भर्ती निकाली गई है। इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 3 मई से शुरू हो चुकी है जो निर्धारित अंतिम तिथि 23 मई 2025 तक जारी रहेगी। इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी तय तिथियों के अंदर ऑनलाइन माध्यम से बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट bankofbaroda.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
03 मई से 23 मई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास
उम्मीदवारों को राज्य/ क्षेत्र के अनुसार लोकल भाषा का ज्ञान होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 26 साल
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को ऊपरी उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी।
आयु की गणना 1 मई 2025 को ध्यान में रखकर होगी।

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 600 रुपए
एससी, एसटी, पीएच (दिव्यांग) और सभी वर्ग की महिला उम्मीदवारों को आवेदन फीस 100 रुपए जमा करना होगा।

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन लिखित परीक्षा
लोकल लैंग्वेज एफिशिएंसी टेस्ट

सैलरी :
19500 - 37,815 रुपए प्रति माह
अन्य अलाउंस भी दिए जाएंगे।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट bankofbaroda.in पर जाएं।
होम पेज पर, 'Careers' टैब पर क्लिक करें।
नया पेज खुलने पर 'Current openings' टैब पर क्लिक करें।
यहां अप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन करके फॉर्म भरें।
फीस का भुगतान करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट निकालकर रखें।

Union Bank में स्पेशल ऑफिसर के 500 पदों पर निकली भर्ती, आवेदन प्रक्रिया शुरू

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 500 स्पेशलिस्ट ऑफिसर (SO) पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक और एलिजिबल उम्मीदवार यूनियन बैंक की आधिकारिक वेबसाइट unionbankofindia.co.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की आखिरी तारीख 20 मई 2025 है।

वैकेंसी डिटेल
इस भर्ती अभियान के तहत कुल 500 पदों पर भर्ती की जाएगी:
– असिस्टेंट मैनेजर (क्रेडिट): 250 पद
– असिस्टेंट मैनेजर (आईटी): 250 पद

योग्यता और आयु सीमा
इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा से जुड़ी जानकारी यूनियन बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध डिटेल्ड नोटिफिकेशन में दी गई है। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे आवेदन करने से पहले नोटिफिकेशन ध्यान से पढ़ लें।

आवेदन शुल्क
SC, ST और PwBD कैटेगरी के उम्मीदवारों को 177 (GST सहित) आवेदन शुल्क देना होगा। वहीं, अन्य सभी कैटेगरी के लिए आवेदन शुल्क 1180 (GST सहित) रखा गया है।

भुगतान के तरीके:
डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, UPI, मोबाइल वॉलेट्स आदि के माध्यम से भुगतान किया जा सकता है।

चयन प्रक्रिया कुछ इस प्रकार होगी:
– ऑनलाइन परीक्षा
– ग्रुप डिस्कशन (अगर आयोजित हुआ)
– एप्लिकेशन की स्क्रीनिंग
– पर्सनल इंटरव्यू

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में ग्रेजुएट्स के लिए भर्ती

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) में सीनियर असिस्टेंट इंजीनियर सहित अन्य पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट bel-india.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
30 अप्रैल से 20 मई तक

वैकेंसी डिटेल्स :
सीनियर असिस्टेंट इंजीनियर : 23 पद
जूनियर असिस्टेंट : 1 पद
कुल पदों की संख्या : 24

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
सीनियर असिस्टेंट इंजीनियर : इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में डिप्लोमा
जूनियर असिस्टेंट : ग्रेजुएशन की डिग्री

एज लिमिट :
सीनियर असिस्टेंट इंजीनियर : अधिकतम 50 साल
जूनियर असिस्टेंट : अधिकतम 28 साल
ओबीसी को 3 साल की छूट दी जाएगी
एससी, एसटी को 5 साल की छूट दी जाएगी

सैलरी :
21,500 - 1,20,000 रुपए प्रतिमाह

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 295 रुपए
अन्य : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन टेस्ट
इंटरव्यू

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट bel-india.in पर जाएं।
रिक्रूटमेंट लिंक पर क्लिक करें।
जरूरी डिटेल्स दर्ज करें।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया में अप्रेंटिस के 135 पदों पर भर्ती; इंजीनियर को मौका

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया में अप्रेंटिस के 135 पदों भर्ती 31 मई तक करे आवेदन। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट aai.aero पर जाकर ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
किसी भी स्ट्रीम में इंजीनियरिंग की डिग्री।
संबंधित ट्रेड में आईटीआई/ एनसीवीटी सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।

स्टाइपेंड :
ग्रेजुएट अप्रेंटिस : 15,000 रुपए प्रतिमाह
आईटीआई अप्रेंटिस : 9000 रुपए प्रतिमाह
डिप्लोमा अप्रेंटिस : 12,000 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
क्वालिफिकेशन के बेसिस पर
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.aai.aero पर जाएं।
जरूरी डिटेल्स दर्ज करके रजिस्ट्रेशन करें।
लॉगिन करने के लिए अपनी रजिस्टर्ड जानकारी दर्ज करके सब्मिट करें।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में 2600 पदों पर निकली भर्ती, ग्रेजुएट्स करें अप्लाई

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) ने सर्किल बेस्ड ऑफिसर के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट sbi.co.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
9 मई से 29 मई 2025 तक

पोस्ट :
2600

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएशन की डिग्री

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 30 साल
आरक्षित वर्ग को उम्र में छूट एसबीआई नियमों के अनुसार दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन परीक्षा
स्क्रीनिंग टेस्ट
इंटरव्यू
स्थानीय भाषा परीक्षा

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 750 रुपए
एससी, एसटी, पीएच : निःशुल्क

सैलरी :
48480 - 85920 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट sbi.co.in पर जाएं।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें।
नाम, पासवर्ड के साथ लॉग इन करें।
फॉर्म में पासपोर्ट साइज फोटो, सिग्नेचर और अन्य डॉक्यूमेंट्स अटैच करें।

भविष्य में हाई पेड़ंग जॉब्स के लिए जरूरी AI स्किल्स: अपने करियर को भविष्य के लिए तैयार करें

जॉब मार्केट तेजी से बदल रहा है और इस बदलाव के साथ तालमेल बिठाने के लिए हमें खुद को लगातार अपडेट करते रहना जरूरी है। आजकल ज्यादातर जॉब्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का इस्तेमाल हो रहा है और कई संस्थान AI से जुड़े कोर्स भी ऑफर कर रहे हैं। आने वाले सालों में AI की बेसिक जानकारी हर किसी के लिए जरूरी हो जाएगी। करियर में ग्रोथ और बेहतर सैलरी के लिए आप भी AI स्किल्स सीख सकते हैं। हर प्रोफेशनल अपनी करियर ग्रोथ और सैलरी इंक्रीमेंट के लिए मेहनत करता है, लेकिन इसके लिए टेक्निकली अपडेट रहना भी जरूरी है। जो लोग समय के साथ अपडेट नहीं होते, वे करियर में पिछड़ जाते हैं। 2025 तक हाई-पेइंग जॉब्स के लिए 10 AI स्किल्स की जानकारी जरूरी हो जाएगी। आइए जानते हैं इन स्किल्स के बारे में:

1.जनरेटिव AI (Generative AI)
यह एक बेहद उपयोगी स्किल है जो बिजनेस के प्रोडक्टिविटी बढ़ाने के लिए AI टूल्स का इस्तेमाल करती है। जनरेटिव AI में अपस्किलिंग से आप अन्य जरूरी AI स्किल्स का लाभ भी उठा सकते हैं। यह स्किल AI की दुनिया में एक शुरुआत है, इसलिए इसे सीखना महत्वपूर्ण है।

2.AI-Powered Language Learning
आज के ग्लोबल करियर में कई भाषाओं की जानकारी होने से आपको नए अवसर मिल सकते हैं। AI टूल्स जैसे रोलप्ले और क्विज जनरेशन की मदद से नई भाषाएँ आसानी से सीखी जा सकती हैं, जो आपके करियर को एक्सपैंड कर सकती हैं।

3AI Data Analysis
डेटा एनालिसिस आज किसी भी बिजनेस के लिए महत्वपूर्ण हो गया है। AI की मदद से बड़े डेटा सेट्स को एनालाइज करना और मार्केट की समझ हासिल करना आसान हो जाता है। AI टूल्स के साथ, अब डेटा एनालिसिस को चुटकियों में किया जा सकता है, जिससे स्मार्ट डिसीजन लेना आसान होता है।

4.AI-Assisted Coding
AI ने कोडिंग को भी आसान बना दिया है। अब आपको कंप्यूटर साइंस की डिग्री या सालों तक

अभ्यास करने की जरूरत नहीं है। ChatGPT और Claude जैसे AI टूल्स से आप कोडिंग कर सकते हैं और कोड को डिबग भी कर सकते हैं। साथ ही, आप AI टूल्स की मदद से नो-कोड ऐप्स भी बना सकते हैं।

5.AI-Powered Soft Skills and Emotional Intelligence
सॉफ्ट स्किल्स और इमोशनल इंटेलिजेंस की मदद से करियर में सफलता मिल सकती है। AI कोचिंग प्लेटफॉर्म्स पर्सनलाइज्ड रोल-प्लेइंग सीन क्रिएट करते हैं, जिससे आप कठिन संवादों की प्रैक्टिस कर सकते हैं और AI से फीडबैक प्राप्त कर सकते हैं, जिससे आपकी इमोशनल इंटेलिजेंस में सुधार होता है।

इन AI स्किल्स से आप किसी भी फील्ड में अपनी बेस्ट परफॉर्मेंस दे सकते हैं और अपनी करियर ग्रोथ को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकते हैं। AI को समझना और इन स्किल्स को सीखना आपके लिए भविष्य में बेहद फायदेमंद साबित होगा।

गर्मियों में दिन में सोना: राहत भी, पर सावधानी ज़रूरी!

-आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से समझें कब ज़रूरी है झपकी और कब नुकसानदेह हो सकती है

आयुर्वेद में दिन के समय सोने या झपकी लेने की अवस्था को दिवस्वप्न कहा जाता है। आम तौर पर आयुर्वेद दिन में सोने की सलाह नहीं देता, क्योंकि इससे शरीर का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ सकता है। विशेष रूप से दोपहर के भोजन के बाद झपकी लेने से पाचन अग्नि धीमी पड़ती है और शरीर में कफ दोष बढ़ जाता है। यह स्थिति अपच, भारीपन, एलर्जी, और रात की नींद में बाधा जैसी समस्याएं पैदा कर सकती है।

गर्मियों में क्यों दी जाती है झपकी की अनुमति?
गर्मियों में वातावरण गर्म और सूखा होता है, जिससे शरीर की उष्मा (तापमान) बढ़ जाती है। ऐसे में शरीर खुद को ठंडा रखने के लिए अधिक ऊर्जा खर्च करता है। आयुर्वेद के अनुसार इस मौसम में कफ दोष में प्राकृतिक कमी आती है, और थोड़ी देर की झपकी शरीर को शीतलता और ऊर्जा देती है। आयुर्वेदिक के अनुसार, गर्मियों में दोपहर में सोना थकावट और ऊष्मा से राहत देता है। यह शरीर की कार्यक्षमता को बहाल करता है और मानसिक तनाव को भी कम करता है — बशर्ते सही परिस्थितियों में और सीमित समय के लिए सोया जाए।

किन लोगों को गर्मियों में दिन में सोना चाहिए?
आयुर्वेद के अनुसार, कुछ विशेष परिस्थितियों में दिन में झपकी लेना सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है:
बुज़ुर्ग और बच्चे – शरीर की ऊर्जा कम होती है, इसलिए दिन में विश्राम ज़रूरी है।
बहुत दुबले-पतले या कमज़ोर लोग – जिन्हें थकान जल्दी लगती है।
बीमारी से उबर रहे व्यक्ति – जैसे एनीमिया, डायरिया, बुख़ार आदि।
लंबी यात्रा या भारी शारीरिक श्रम के बाद – शरीर को आराम की आवश्यकता होती है।
मानसिक रूप से परेशान लोग – डर, गुस्सा या चिंता से ग्रस्त लोगों के लिए विश्राम लाभकारी हो सकता है।

किन लोगों को दिन में सोने से बचना चाहिए?
कुछ लोगों या स्थितियों में दोपहर की नींद से नुकसान हो सकता है:
भोजन के तुरंत बाद सोना – इससे अपच और भारीपन हो सकता है।
स्थूल (मोटे) व्यक्ति – कफ दोष

बढ़ाकर थकावट और सुस्ती बढ़ा सकता है।
सांस या एलर्जी की समस्या वाले लोग – जैसे एलर्जिक रायनाइटिस, अस्थमा आदि।
नींद संबंधी समस्याओं से ग्रस्त लोग – जिन्हें रात में नींद नहीं आती या नींद बार-बार टूटती है।
माइग्रेन या बार-बार सिरदर्द वाले लोग – दिन में नींद से सिरदर्द बढ़ सकता है।

दिन में सोने के संभावित नुकसान
पाचन तंत्र पर प्रभाव – अपच, गैस, भारीपन
सिरदर्द, माइग्रेन और थकावट
एलर्जी और गले की समस्या
रात की नींद में बाधा
आलस्य और सुस्ती बढ़ना

सावधानी बरतें, लाभ पाएं
अगर आप गर्मियों में दिन में झपकी लेना चाहते हैं, तो इन बातों का ध्यान ज़रूर रखें:
झपकी का समय 30–45 मिनट से ज़्यादा न हो
भोजन के कम से कम 1 घंटे बाद सोएं
ठंडी और हवादार जगह पर विश्राम करें
बहुत गहरी नींद में न जाएं, बस शरीर को आराम दें
कोई बीमारी हो तो चिकित्सकीय सलाह ज़रूर लें

गर्मियों में दिन में सोना आयुर्वेद के अनुसार फायदेमंद हो सकता है — लेकिन सिर्फ़ विशेष परिस्थितियों में और सावधानी के साथ। यह शरीर को ठंडक, ऊर्जा और मानसिक राहत देता है। परंतु याद रखें, हर व्यक्ति की शारीरिक प्रकृति और ज़रूरतें अलग होती हैं। इसलिए दिवस्वप्न को आदत बनाने से पहले शरीर के संकेतों को समझें और संतुलन बनाए रखें।

राष्ट्रहित सर्वोपरि: बारां जिला प्रशासन की सराहनीय पहल

-सिविल डिफेन्स प्रशिक्षण जारी, जिले के नागरिक उत्साह से दिखाएं सक्रियता

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। देश की पश्चिमी सीमाओं पर व्याप्त तनाव के बीच, जिला प्रशासन ने किसी भी संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने व्यापारिक एवं सामाजिक संगठनों और जिले के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कर बहुमूल्य सुझाव प्राप्त किए। इसके साथ ही, उन्होंने स्वयंसेवक के रूप में स्वेच्छा से सेवाएं देने की अपील की, जिस पर 1500 से अधिक नागरिकों ने अविश्वसनीय उत्साह दिखाते हुए अपना पंजीकरण कराया है। इन नागरिकों के राष्ट्रप्रेम और सेवाभाव की जिला कलक्टर ने मुक्त कंठ से सराहना की है।

इससे संभावित खतरे से निपटने के लिए एक मजबूत आधार तैयार हुआ है। प्रशासन की अपील पर इतनी बड़ी संख्या में नागरिकों का आगे आना यह दर्शाता है कि बारां के लोग राष्ट्रहित के लिए सदैव तत्पर हैं। इसी क्रम में, जिला प्रशासन द्वारा निरंतर सिविल डिफेंस प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। देश में तनाव स्थिति को देखते हुए, इन शिविरों का उद्देश्य आमजन को आपदा प्रबंधन, राहत और बचाव के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित करना है। संभावित हवाई हमले, बमबारी या मेडिकल इमरजेंसी जैसी विषम परिस्थितियों में प्रभावी प्रतिक्रिया देने के लिए जिला प्रशासन, सिविल डिफेंस और चिकित्सा विभाग मिलकर कार्य कर रहे हैं। रविवार को बारां शहर के पब्लिक पार्क में सिविल डिफेन्स प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

चिकित्सा विभाग की कुशल टीम ने लोगों को सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) जैसी जीवन रक्षक तकनीक सिखाई, जो गंभीर हृदय संबंधी आपात स्थिति में किसी व्यक्ति की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। वहीं, सिविल डिफेंस के विशेषज्ञों ने आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली आवश्यक सुरक्षा रणनीतियों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया। इसमें सायरन बजने की स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर छिपना, बमबारी के बाद घायलों को प्राथमिक उपचार देना और उन्हें सुरक्षित रूप से नजदीकी अस्पतालों तक पहुंचाना जैसे महत्वपूर्ण पहलू शामिल थे।

इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान पूर्व जिला प्रमुख नंदलाल सुमन, जिला रसद अधिकारी अनिल चौधरी, एसडीएम बनवारी लाल बैरवा, तहसीलदार दशरथ मीणा, सीएमएचओ डॉ. संजीव सक्सेना, वरिष्ठ पीटीआई अध्यापक सुनील शर्मा सहित सिविल डिफेंस के अनेक वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारियों की उपस्थिति ने प्रशासन की गंभीरता और प्रतिबद्धता को दर्शाया।

जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि संकट की घड़ी में आमजन को घबराने के बजाय सजग और आत्मनिर्भर बनना होगा, ताकि जान-माल का अधिकतम बचाव सुनिश्चित किया जा सके।

कोटा शहर काजी के हस्तक्षेप से मिला पीड़ित परिवार को न्याय

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। इंद्रा कॉलोनी विज्ञान नगर निवासी शाक़िर खान का बेटा क़ामिल हुसैन उम्र 10 साल जिसकी एक खाली पड़े प्लाट में भरे पानी के गड्ढे में खेलते हुए डूबने से मौत हो गयी थी। परिवार वालो ने प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की और नही मिलने पर कैंडल मार्च प्रदर्शन भी किया। लेकिन उन्हें किसी भी तरह की कोई मदद न मिल सकी। काजी-ए-शहर कोटा जुबेर अहमद साहब की जानकारी में मामला पहुँचा तो क़ाज़ी साहब ने अपने प्रतिनिधि इमरान कुरैशी को इस मामले की जिम्मेदारी दी। अल-फ़लाह ट्रस्ट के समाजसेवी इमरान कुरैशी ने अपने अथक प्रयासों से शनिवार को मृतक बालक के पिता शाक़िर खान को 15 लाख रुपये मुआवजे के तौर पर भूखंड मालिक से दिलवा कर परिवार को न्याय दिलाया।

सरपंच ईश्वर सिंह को मिला अंतर्राष्ट्रीय कर्म श्री अवार्ड

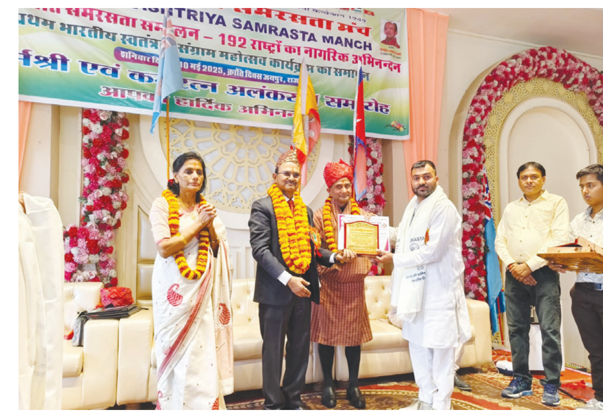

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। जिले कि सरखेड़ी पंचायत के सरपंच ईश्वर सिंह सम्राट को अंतर्राष्ट्रीय सम्मान "कर्म श्री " अवार्ड राजधानी जयपुर में 10 मई 2025 को रतनबाग मैरिज गार्डन वैशाली नगर में आयोजित समारोह में मिला।

नेपाल, भूटान, फिजी गणराज्य के समेत 192 देशों के नागरिकों के सामने मिला।

ईश्वर सिंह को यह अवार्ड वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग में गोल्ड जीतकर देश का मान बढ़ाने व सरपंच के रूप में उत्कृष्ट कार्य करने पर दिया गया।

यह अवार्ड वियना वैश्विक सम्मेलन 1972 व जिनेवा वैश्विक सम्मेलन 1949 से जोड़कर वैश्विक शांति समरसता की दृष्टि से आयोजित किया गया।

जिसमें 24 देशों के प्रतिनिधियों ने अपना नैतिक समर्थन दिया।

कार्यक्रम में नेपाल के प्रथम उपराष्ट्रपति परमानन्द झा, भूटान के राजस्व मंत्री लोकनाथ शर्मा, फिजी गणराज्य के उच्चायुक्त जगन्नाथ स्वामी, प. बालमुकुंदचार्य सदस्य राजस्थान विधानसभा, प. राम किशन शर्मा पूर्व सांसद भारत सरकार आदि उपस्थित रहे।

एसोसिएशन आफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स की जानिब से YGN स्कूल केम्पस में उर्दू सेमिनार व काव्य गोष्ठी का आयोजन

शब्बीर हुसैन

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। AMP चेप्टर कोटा की जानिब से YGN कॉन्वेंट स्कूल अनंतपुरा में उर्दू भाषा के विकास पर सेमिनार व मुशायरे का आयोजन किया गया। प्रोग्राम के संयोजक रिज़वानुद्दीन अंसारी के अनुसार पहले चरण में उर्दू हिन्दी कहानी लेखन पर भिवण्डी महाराष्ट्र से आमंत्रित मोहम्मद मुबीन शैख ने अपना लेक्चर दिया व उर्दू शिक्षण पर प्रोफेसर डॉ. अज़ीज़ुल्लाह शीरानी ने कालेज के छात्रों व उर्दू हिन्दी प्रेमी श्रोताओं को संबोधित किया।

दूसरे चरण में शेअरी नशिस्त (मुशायरे) का आयोजन हुआ, जिसमें डॉ. ज़ेबा फिज़ा, डॉ. शबाना सहर, फानी जोधपुरी, हलीम आईना, किशनलाल, मुकुट मणिराज, रामनारायण हलधर, डॉ. फरीद, रियाज़ तारिक़, नईम दानिश, मुस्लिम खान, रऊफ पाकीज़ा व नदीम अख़्तर जैसे मशहूर शाइरों और कवियों ने अपना कलाम व रचनाएं प्रस्तुत कीं।

संस्था की तरफ से तीन ज़रूरतमंद महिलाओं को चांद मोहम्मद शेख AMP राजस्थान प्रदेश हेड द्वारा सैमी ओटोमेटिक सिलाई मशीनें भेंट कीं और प्रशिक्षण ले चुकी महिलाओं को प्रमाण पत्र दिए गए।

प्रोग्राम की अध्यक्षता AMP राजस्थान के हेड चांद मोहम्मद शेख ने की। प्रोग्राम के मुख्य अतिथि हकीम बख़्श अध्यक्ष डॉ. ज़ाकिर हुसैन एजूकेशन व वेलफेयर सोसाइटी रहे। अरशद अंसारी चेयरमैन YGN एजूकेशन ग्रुप विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। प्रोग्राम का संचालन नईम दानिश ने किया।

प्रोग्राम का समापन इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी क्लस्टर हेट AMP कोटा संभाग व क़मरूज़्ज़मां खान चेप्टर हेड AMP कोटा के धन्यवाद अर्पण के साथ हुआ।

डकनिया तलाव स्टेशन का नाम बदलेगा, अब 'न्यू कोटा रेलवे स्टेशन' के नाम से होगी पहचान

कोटा। डकनिया तलाव रेलवे स्टेशन अब जल्द ही 'न्यू कोटा रेलवे स्टेशन' के नाम से पहचाना जाएगा। केंद्र सरकार ने नाम परिवर्तन के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए राजस्थान सरकार को आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के लिए पत्र भेजा है। यह नाम परिवर्तन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों से संभव हो पाया है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस संबंध में 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (NOC) भी जारी कर दी है। मंत्रालय ने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि वह जल्द से जल्द गजट अधिसूचना जारी कर इस परिवर्तन की जानकारी सर्वे ऑफ इंडिया सहित सभी संबंधित संस्थाओं को भेजे, जिससे डकनिया तलाव स्टेशन को आधिकारिक रूप से 'न्यू कोटा रेलवे स्टेशन' के रूप में मान्यता मिल सके। उल्लेखनीय है कि दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर स्थित यह स्टेशन क्षेत्र का एक प्रमुख स्टेशन है।

इसे विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त करने के लिए 111.18 करोड़ रुपए की लागत से पुनर्विकसित किया जा रहा है। एयरपोर्ट जैसी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह स्टेशन न सिर्फ न्यू कोटा क्षेत्र की बड़ी आबादी, बल्कि कोटा आने वाले विद्यार्थियों, उनके परिजनों, पर्यटकों और व्यापारियों के लिए भी बेहद उपयोगी साबित होगा।

अल फतेहान वेलफेयर सोसायटी का इज़्तिमाई निकाह सम्मेलन संपन्न

बारां, (रॉयल पत्रिका)। अल फतेहान वेलफेयर सोसायटी बारां के तत्वाधान में रविवार 11 जुलाई को मांगरोल रोड़ स्थित केजीएन कॉलेज ग्राउंड में ऑल मुस्लिम इज़्तिमाई निकाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। संस्था के पूर्व सदर मास्टर शराफत अली खान ने बताया कि सम्मेलन में इस दफा केवल 3 जोड़े ही शामिल हुए जो छीपाबड़ौद, लाखेरी और जयपुर से बारात लेकर पहुंचे थे। जहां पर काजी साहब अब्दुल कय्यूम ने उनका निकाह पढ़वाया। संस्था के सदर पीर खान पप्पू, सेकेट्री मास्टर शर्फुद्दीन खान, खजांची सलीम भाई फ्रूट वालों ने बताया कि दुल्हा दुल्हनों को दहेज का सामान पहले ही संभला दिया था।

आज निकाह और खाने का इंतजाम किया गया था जिसमें सैकड़ों लोगों ने खाने का लुत्फ उठाया। इस दौरान कमेटी के पूर्व सदर नूर मोहम्मद मुंशी जी, मुन्ना पठान, रहीम भाई गोश्त वाले, फकीर मोहम्मद, डॉक्टर शकूर खाईपाड़ा, मास्टर अख्तर, सईद भाई डिस्क, गयासुद्दीन सप्पू भाई, पठान वेलफेयर सोसायटी के सदर इलियास पठान, साजिद खान होटल लजीज, पार्षद अब्दुल अजीज अज्जू, जुगनू पठान, राजू खान बर्तन, पार्षद जाकिर खान, अलीम खान, राजू खान, दिलशाद अहमद खान, राजू भाई कार बाजार, अकील प्रबोधक आदि मौजूद रहे। पठान वेलफेयर सोसायटी के सदर इलियास पठान व साजिद खान होटल लजीज की जानिब से सभी जोड़ो को उपहार भी दिए गए।

दरगाह हजरत लाल शाह वली के तीन दिवसीय उर्स का कुल की रस्म के साथ हुआ समापन

बाडोली, (रॉयल पत्रिका)। कोटा जिले की पंचायत समिति इटावा के ग्राम पंचायत दुर्जनपुरा के ग्राम बाडोली शरीफ में स्थित दरगाह हजरत लाल शाह वली रहमतुल्लाह अलैहि का तीन दिवसीय हिन्द-मुस्लिम एकता का प्रतीक 28 वां उर्स का समापन 9 मई शुक्रवार को सुबह बाद नमाज फजर देग तकसीम व कुल की रस्म के साथ समापन हो गया है। बड़ी संख्या में दूरदराज से आए जायरीन ने बाबा के आस्ताने पर अकीदत की चादर चढ़ाकर देश की सलामती की दुआ मांगी। उर्स कमेटी के प्रेस प्रवक्ता मोहम्मद इलियास मांगरोल ने बताया कि 8 मई गुरुवार रात्री को दिल्ली से आए कव्वाल रईस मियां ने अपना कलाम पेश किया। कव्वाली नात, हम्द, मशहूर कव्वाली "आज मेंहदी है कासिम तुम्हारी" कबूतर नामा, जब चली हैदर की तलवार, हाय हुसैना हुसैना हाय हुसैन या हुसैन, महज़र नामा, इमाम हुसैन की याद में शहादत जैसे कई कव्वालियां सुनाकर महफिल में समां बांध दिया। आसपास के अलावा दूरदराज से आए जायरीन ने रातभर कव्वाली का लुत्फ उठाया। कव्वाली प्रोग्राम में आए हुए मेहमानों का व कव्वाल पार्टी का कमेटी द्वारा साफा बांधकर व माला पहनाकर स्वागत किया गया। प्रोग्राम में आए हुए मेहमानों ने भी हजरत लाल शाह वली की दरगाह पहुंचकर हाजरी लगाई।

उर्स के समापन पर सदर डॉ. इमाम खान, नायब सदर मुस्तकीम भाई, सेक्रेट्री मास्टर मंसूर अली, नायब सेक्रेट्री अबरार अहमद इन्दोरी, खजांची युसूफ मिर्जा (चन्नु भाई), प्रेस प्रवक्ता मोहम्मद इलियास, संयोजक मोहम्मद असलम बाबा मांगरोल, नईम अख्तर भट्टी, आदिल खान कैंची बीड़ी मांगरोल, चेनसुख मीणा, पूर्व सदर व शाह अल्वी एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष इकबाल रीगल बारां, पूर्व सदर डॉ. अब्दुल गफ्फार पीपल्दा, मंसूर अली मांगरोल, आमीन भाई सदर शाह पंचायत मांगरोल, कलाम पठान कवांजापुर ने जायरीन सहित सभी ग्रामीणों पुलिस प्रशासन की व्यवस्था के सराहनीय सहयोग के लिए आभार जताया।

इस्लामी कल्चर सेमिनार आयोजित

कोटा। मुफ्ती ए आजम राजस्थान हजरत मुफ्ती अख़्तर हुसैन कादरी के 25वां उर्स मुफ्ती ए मिल्लत के मौके पर तलवंडी स्थित होटल में इस्लामी कल्चर सेमिनार आयोजित हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। इस मौके पर खिराजे अकीदत पेश किया गया। सेमिनार में हैदराबाद मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी के डॉ. फहीम अशरफ ने चांद घूमता है या जमीन, इस पर बयान पेश किए। सेमिनार आयोजक मुफ्ती शमीम अशरफ रजवी ने बताया कि दिल्ली उर्दू कॉन्सिल के मौलाना कासिम ने तासुओफ पर रोशनी डाली। कटिहार जामिया के डॉ. गाजी मिस्बाही ने मुफ्ती ए मिल्लत की दीनी मिल्ली समाजी खिदमात को उजागर किया, जिसे सभी ने सराहा। इनके अलावा प्रिंसिपल फहीम अहमद ने भारत की आजादी में मुस्लिम शहीदों का किरदार पर रोशनी डाली। मौलाना शाहबाज, मौलाना अशरफ, कारी अब्दूल वकील ने संबोधित किया। इस अवसर पर मुल्क में अमन सुकून की दुआ के साथ लंगर तकसीम किया। मुफ्ती शमीम अशरफ ने बताया कि अगला सेमिनार अगस्त में आयोजित होगा।

दरगाह आमापीर, हाल ख्याल बाबा कमेटी के सदर बने खुर्शीद आलम

बारां, (रॉयल पत्रिका)। दरगाह आमापीर के पूर्व सदर जुगनू भाई ने बताया कि रविवार 11 मई की शाम को एक बैठक रखी गई। जिसमें सदर खुर्शीद आलम ने पिछले कार्याकाल का आमद-खर्च का हिसाब सुनाया। दरगाह के उर्स की ज़िम्मेदारियों को लेकर हुई मीटिंग में सभी की सर्व सहमति से खुर्शीद आलम को दोबारा कमेटी का सदर नियुक्त किया गया वहीं दरगाह आमापीर, हाल ख्याल बाबा के चौंथे उर्स की जिम्मेदारियों को लेकर चर्चा की गई। जिसमें 14 जून को उर्स होना तय हुआ और कमेटी गठित की गई जिसमे सेकेट्री पद पर सिद्दीक बाबा, खजांची पद पर मुन्ना भाई को नियुक्त किया गया। उर्स में व्यवस्थाओं को बनाने ओर मेहमानों के लिए लंगर व्यवस्था पर जोर देते हुए सुझाव दिए गए। इस दौरान फिरोज खान एमिनेंट, फईम पठान, इरफान भाई, रईस भाई, कल्लू भाई मंसूरी, राजा फर्नीचर समाजसेवी, हनीफ भाई ठेकेदार, शाह अल्वी एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष इकबाल रीगल समाजसेवी, शेरू भाई इलेक्ट्रिकल, आरिफ हुसैन, समीर आलम, रिसालत अली अक्कू भाई, पप्पू भाई, रईस भाई, बबलू भाई, शाहिद हुसैन, इरफान शानू आयत

कार पेंटिंग, रिंकू पठान, एजाज वकार, मुनव्वर हुसैन, रशिद भाई ट्रक, अखलाक भाई सहित कमेटी से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बारां जिले में जल संरक्षण को मिलेगी मजबूती, ताप्सी नदी पर एनीकट सहित कई निर्माण कार्य जल्द शुरू

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिले में भूजल स्तर को सुधारने के लिए अहम कदम उठाए जा रहे हैं। अटरू तहसील की ताप्सी नदी पर दो नए एनीकट बनाए जाएंगे। इनमें एक एनीकट की ऊंचाई 0.30 मीटर और दूसरे की 0.28 मीटर होगी, जबकि दोनों की लंबाई लगभग 40 मीटर तय की गई है। इस परियोजना पर कुल 1 करोड़ 47 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इन एनीकटों के निर्माण से जल संग्रहण बढ़ेगा और क्षेत्र में भूजल स्तर में सुधार की उम्मीद है। भैंसड़ा गांव के तालाब का विकास 2 करोड़ 45 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा।

इसमें वेस्टवियर का निर्माण, तालाब का चौड़ीकरण और प्रोटेक्शन वॉल बनाई जाएगी। कैचमेंट एरिया से आने वाले पानी की बाधाएं भी दूर की जाएंगी। प्रधानमंत्री सिंचाई किसान योजना 2.0 के अंतर्गत किशनगंज क्षेत्र में 5 चेकडेम बनाए जाएंगे।

अंता के खेमजी तालाब पर 24 लाख रुपए की लागत से इलेक्ट्रिफिकेशन और सौंदर्यीकरण का काम होगा। सभी निर्माण कार्यों की टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है और 15 मई तक काम शुरू होने की संभावना जताई जा रही है।

इन कार्यों के पूरा होने से आने वाले मानसून में जल संग्रहण की क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही ताप्सी नदी पर बने एक पुराने एनीकट की 15 मीटर क्षतिग्रस्त दीवार की भी मरम्मत की जाएगी, जिससे संरचना और अधिक मजबूत हो सकेगी।

जिले में 24 मई को शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर करेंगे जनसुनवाई

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजवीर सिंह चौधरी ने बताया कि शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर 24 मई 2025 को प्रातः 10 बजे जिला परिषद हॉल, प्रथम तल, बारां में खुली जनसुनवाई करेंगे। इस जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य विभाग के कार्यों पर आम जनता से सीधे प्रतिक्रिया प्राप्त करना है। इस खुली सुनवाई में भाग लेने वाले नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन 22 मई 2025 तक जिला शिक्षा अधिकारी, संस्कृत शिक्षा अधिकारी और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद बारां के कार्यालयों में जमा करा दें। जो नागरिक निर्धारित तिथि तक आवेदन जमा नहीं करा पाते हैं, उनकी प्रतिक्रिया भी सुनवाई के अंत में सुनी जाएगी।जनसुनवाई के अंत में, मंत्री मदन दिलावर एक घंटे तक स्थानांतरण से संबंधित मामलों के अलावा अन्य कार्यों पर भी विचार करेंगे। इस महत्वपूर्ण जनसुनवाई में पंचायती राज विभाग के जिला और ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ-साथ शिक्षा, पेयजल, चिकित्सा, विद्युत, सार्वजनिक निर्माण विभाग, पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

जमात-ए-इस्लामी बारां द्वारा वक्फ संशोधन एक्ट 2025 के विरोध में टेबल टॉक प्रोग्राम आयोजित

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जमात-ए-इस्लामी हिंद बारां इकाई द्वारा वक्फ संशोधन कानून 2025 के विरोध में कौसर कॉलोनी स्थित जमात के ऑफिस में 7 मई 2025 रात 9:30 से 10:30 बजे तक एक टेबल टॉक प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुस्लिम समाज के बुद्धिजीवी लोगों ने भाग लिया और प्रस्तावित कानून के विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में तहफ्फुज-ए-औकाफ कमेटी बारां के कन्वीनर मौलाना अख़्तर नदवी ने वक्फ संशोधन एक्ट 2025 के विरोध में चलाए जा रहे अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने इस कानून को वक्फ संपत्तियों और मुस्लिम समुदाय के धार्मिक हितों के लिए हानिकारक बताते हुए इसके प्रावधानों पर प्रकाश डाला। मौलाना अख़्तर नदवी ने कहा, "यह कानून वक्फ संस्थानों की स्वायत्तता को कमजोर करने का प्रयास है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कार्यक्रम में जमात-ए-इस्लामी बारां के अमीर-ए-मकामी लईक अहमद ने उपस्थित लोगों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "हमें एकजुट होकर इस कानून के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करनी होगी ताकि वक्फ संपत्तियों और हमारे धार्मिक अधिकारों की रक्षा हो सके।

टेबल टॉक के दौरान यह सहमति बनी कि इस कानून के खिलाफ जागरूकता फैलाने और इसे रद्द करने की मांग को और तेज किया जाएगा।

जमात-ए-इस्लामी बारां ने घोषणा की कि इस अभियान को जन-जन तक ले जाने के लिए विभिन्न स्तरों पर सभाएं, जागरूकता कार्यक्रम और शांतिपूर्ण प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।

जमात-ए-इस्लामी ने सभी अमन पसंद नागरिकों व मुस्लिम समुदाय से इस अभियान में सहयोग करने और अपनी आवाज उठाने की अपील की है।

संगठन ने यह भी स्पष्ट किया कि यह विरोध शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से किया जाएगा।

रामगंजमंडी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

डॉ. तोहिद

सुकेत/रामगंजमंडी, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर के जन्मदिन को रामगंजमंडी में स्वच्छता दिवस के रूप में मनाया गया। नगर पालिका ने विशेष सफाई अभियान की शुरुआत नगर अध्यक्ष अखिलेश मेड़तवाल के नेतृत्व में की। बाजारों में लगाई झाड़ू, टिपर में डाला कचरा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को दी जन्मदिन की शुभकामना।

जब बात तिरंगे की आती हैं तो हर भारतीय एक है

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफ़ीक मंडेलिया ने कहा आल इंडिया कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, केंद्रीय नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, हम तो भारतीय सेना और सरकार के साथ हैं, जो कदम उठाए पूरा विपक्ष इंडिया गठबंधन का पूरा समर्थन है। रफ़ीक मंडेलिया ने कहा जब बात तिरंगे की आती है तो हर भारतीय एक हो जाता है। यही हमारी एकजुटता है। रफ़ीक ने कहा भारतीय सेना हर तरह की परिस्थितियों से निपटने में सक्षम है। राजस्थान की सीमा पर भी पाकिस्तान की हरकतों का सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया है।
मेरा सभी प्रदेशवासियों से आग्रह है कि बिल्कुल न घबराए, धैर्य के साथ सतर्क और सावधान रहें एवं सरकार व जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। सेना दुश्मन को मुंहतोड़ जबाव दे, आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में पक्ष-विपक्ष एक है एवं पूरा देश सेना और सरकार के साथ है। भारत पहले भी पाकिस्तान के दो टुकड़े कर चुका है और अब भी हमारी एकता और सेना के शौर्य से हमारी जीत निश्चित है। इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष असलम खोखर, देहात अध्यक्ष किशोर धांधू, पूर्व सभापति गोविंद महानसरिया, नेता प्रतिपक्ष धर्मेन्द्र बुडानिया,मोहम्मद हुसैन निर्वाण, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान, जिला कांग्रेस ओबीसी अध्यक्ष नारायणन बालान एडवोकेट रामेश्वर रामसरा, युवा नेता रमजान खान, पार्षद विमल शर्मा, प्यारेलाल दानोदिया, कमला पुनिया,बाली बाई,आरिफ़ रिसालदार, जंगशेर खान, मुश्ताक पीठीसर, मोहनलाल टेलर, पार्षद गण और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सांचौर के अगड़ावा क्षेत्र में बनी हवाई पट्टी जरूरत पड़ने पर आर्मी बेस एरिया में तब्दील होगा भारतमाला एक्सप्रेस-वे

-रक्षा मंत्री की मौजूदगी में ट्रायल भी हो चुका है, वहां फाइटर, जेट विमान भी उतर सकते है

-अगड़ावा से मात्र 40 किमी की दूरी पर पाकिस्तानी सीमा क्षेत्र लगता है

सांचौर, (रॉयल पत्रिका)। भारत-पाकिस्तान के बीच 1971 में युद्ध के बाद अगड़ावा क्षेत्र को महत्वपूर्ण सैन्य क्षेत्र के रूप में भी स्थापित करने की मंशा से एयरस्ट्रिप एरिया तैयार किया गया। बाड़मेर जिले से गुजरात में भुज एयर बेस के बीच के दायरे में अगडावा अब महत्वपूर्ण एरिया है। जिसे केन्द्र सरकार की ओर से आपात स्थिति के लिए तैयार करवाया गया। अगड़ावा से मात्र 40 किमी की दूरी पर पाकिस्तानी सीमा क्षेत्र लगता है, सामरिक दृष्टि से अगड़ावा हवाई पट्टी महत्वपूर्ण है और भविष्य में युद्धकालिक स्थितियों में अतिरिक्त विकल्प के रूप में मौजूद रहगी। जालौर जिले की सीमा अगडावा में बनी इमरजेंसी हवाई पट्टी वायुसेना के लिए इमरजेंसी इस्तेमाल के लिए बनाई गई है। 32.95 करोड़ रूपए की लागत से बनी इस हवाई पट्टी की 3 किमी. लम्बाई और 33 मीटर चौड़ाई है। हवाई पट्टी पर दोनों सिरों पर 40 गुणा 180 मीटर आकार की दो पार्किंग भी बनाई गई है, ताकि लैंडिग के बाद विमानों को पार्क किया जा सके। वायुसेना के सी-130 हरक्यूलिस विमान में स्वयं रक्षामंत्री राजनाथसिंह व नितिन गड़करी पहुंचे थे। यहां स्ट्रीप एरिया में जगुआर, सुखोई-30, एएम-32 ने उड़ान भरी थी। वहीं सेना के लड़ाई हैलीकॉप्टर भी यहा उतर चुके है। अगड़ावा में 3 किलोमीटर से अधिक का दायरा ऐसा है जिसे युद्ध की स्थिति में एयर स्ट्रिप के रूप में काम लिया जा सकेगा। 9 सितम्बर 2021 को रक्षामंत्री राजनाथसिंह व परिवहनमंत्री नितिन गडकरी की मौजूदगी में अगड़ावा हवाई पट्टी का ट्रायल हो चुका है। राजस्थान के अंतर्गत 637 किमी गुजरात में 380 किमी. पंजाब में 155 किमी और हरियाणा में 85 किमी दायरे से होकर एक मात्र एक्सप्रेस-वे जामनगर-अमृतसर एक्सप्रेस वे गुजरता है जो बेहतर कनेक्टिविटी भी देता है। आपात स्थिति में सभी क्षेत्रों से सड़क मार्ग से भी आसान आवाजाही का विकल्प भी इस एक्सप्रेस-वे पर मौजूद है।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने आपात परिस्थितियों में सहयोग के लिए जताया आभार

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने आपात परिस्थितियों के मध्यनजर सहयोग के लिए समस्त जिलेवासियों, जनप्रतिनिधियों, मीडियाकर्मियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों व संस्थाओं का आभार जताया है। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा है कि सभी के सहयोग से हम मिलकर परिस्थितियों में बेहतर समन्वय कर पाए तथा सरकार के निर्देशों की पूर्ण पालना कर पाए। सभी जिलेवासियों, जनप्रतिनिधियों, मीडियाकर्मियों,अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों व संस्थाओं का सहयोग सराहनीय रहा है। भविष्य में भी हम सभी मिलकर जिले को आगे बढ़ाएं तथा बेहतरीन समन्वय का परिचय दें।

"गीतांजलि हॉस्पिटल बना शिक्षा गौरव का मंच, 60+ गुरुजनों को सम्मान"

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजलि हॉस्पिटल के स्व. नर्मदा देवी सभागार, उदयपुर में सिटी द्रोण अवार्ड का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 60 से अधिक शिक्षकों को सम्मानित किया गया, जिनमें CBSE, RBSE, सरकारी विद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल थे। साथ ही, कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित सेमिनार में लगभग 500 विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
इस गरिमामय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त संभागीय आयुक्त गितेशजी मालवीय उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्राइवेट स्कूल डायरेक्टर्स मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेश्री श्रीमाली, उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप सिंह यादव एवं सचिव डॉ. उपेंद्र रावल शामिल हुए। साथ ही आमंत्रितों में गीतांजलि हॉस्पिटल के मार्केटिंग हेड कल्पेश चन्द रजबार, डॉ. एस. एम. प्रसन्ना (डायरेक्टर, GITS), बी. एल. जांगिड़ (CFO, GITS), कृष्णा कौशिक (डायरेक्टर, आर.के. प्रॉपर्टी एंड कंसल्टेंट), सीए राहुल बदाला (डायरेक्टर, बदाला क्लासेस) एवं डॉ. अरविंदर सिंह (डायरेक्टर, Medipreneur) उपस्थित रहे।
इस अवसर पर शहर के प्रतिष्ठित विद्यालयों जैसे DPS, मिरांडा, सेंट्रल एकेडमी, अलोक, द स्टडी, माउंट लिट्रा ज़ी स्कूल, शिशु भारती, सीडलिंग, MMPS, अभिनव सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हैप्पी होम, श्रीराम स्कूल, स्वामी विवेकानंद, रॉयल एकेडमी, प्रयास, गुरु नानक, नीरजा मोदी, सेंट ग्रेगोरियस तथा अन्य स्कूलों के शिक्षक एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।
गीतांजलि हॉस्पिटल इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी गणमान्य अतिथियों, स्कूल प्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार प्रकट करता है। यह आयोजन शिक्षा और सम्मान की उस परंपरा को और मजबूत करता है, जो समाज की उन्नति में अहम भूमिका निभाती है।

मदरसा इंदिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में वाटर कूलर का उद्घाटन किया गया

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित मदरसा इंदिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में समाजसेवी मोहम्मद अली राणा द्वारा वाटर कूलर स्कूल को भेंट किया गया। जिसका उद्घाटन जर्नलिस्ट मोहम्मद अली पठान ने फीता काटकर किया। इस कार्यक्रम में समाजसेवी अब्बास खां, मोयल राणा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष मुस्लिम राजपूत महासभा द्वारा दस कुर्सियों के सेट की घोषणा की गई। इसी क्रम में सामाजिक कार्यकर्ता शाहरुख खान दौलतखानी द्वारा पानी के पांच कैन स्कूल में दिए गए। कार्यक्रम को अतिथियों द्वारा संबोधित करते हुए कहा कि समाज को एकजुट होकर बढ़ चढ़ कर स्कूलो-मदरसो का सहयोग करना चाहिए, ताकि बच्चों को सहूलियत के साथ-साथ अच्छी शिक्षा भी प्राप्त हो सके। जो आज के वक्त में बहुत ही जरूरी है। स्कूल निदेशक अख्तर खान रुकन खानी, मकसूद खान तंवर (बबलू) व स्टाफ द्वारा सभी अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में रॉयल विकलांग विकास संस्था के पदाधिकारी सफीक कुरैशी, जहीर अब्बास, सद्दाम हुसैन, अरमान अगवान, नबी अगवान आदि उपस्थित रहे। संस्था प्रधान अख्तर खान ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन असलम खान अध्यापक ने किया।

जयपुर एयरपोर्ट से हज पर रवाना हुआ आखिरी जत्था, इस साल राजस्थान से 2708 हाजी हुए रवाना

मोहम्मद यासीन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आखिरी फ्लाइट के जरिए 158 हाजी हज के पाक सफर पर रवाना हुए। ऑल इंडिया हज वेलफेयर सोसाइटी जोधपुर जिला इकाई के अध्यक्ष हाजी सैयद आरिफ अली ने जानकारी दी कि सांगानेर एयरपोर्ट से अंतिम जत्था रवाना हुआ। इस जत्थे में 80 पुरुष और 78 महिलाएं शामिल थीं। हज हाउस कर्बला से अंतिम बस को एयरपोर्ट के लिए रवाना किया गया, जिसे जावेद कागज़ी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राजस्थान हज वेलफेयर सोसायटी जयपुर के जनरल सेक्रेटरी हाजी निजामुद्दीन ने बताया कि इस बार कुल 2708 हाजियों को मदीना के लिए रवाना किया गया, जिनमें 1397 पुरुष और 1311 महिलाएं शामिल हैं। हज यात्रियों को तिरंगा झंडा और बैच वितरित किए गए। हर फ्लाइट में एक हज इंस्पेक्टर को विशेष रूप से हाजियों की मदद के लिए भेजा गया है। मीम संस्था के सदस्य नादिर अली ने बताया कि हज कमेटी और एयरपोर्ट प्रशासन के सहयोग से सभी हाजियों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। हज का यह मुबारक सफर पूरा करने के बाद हाजियों की वतन वापसी 16 जून 2025 से शुरू होगी।

देश के प्रति युवाओं में दिखा जोश, राष्ट्र हित में रक्तदान शिविर आयोजित

मोहम्मद अब्बास

सांचौर, (रॉयल पत्रिका)। शहर में स्थित बैचर सराय में उपखण्ड प्रशासन, नगर परिषद एवं समस्त व्यापार महासंघ द्वारा राष्ट्र हित में रक्तदान शिविर का आयोजन पूर्व सांसद देवजी पटेल, पूर्व मंत्री सुखराम विश्नोई, आईपीएस कांबले शरण गोपीनाथ, उपखण्ड अधिकारी प्रमोद सोनी, भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज पुरोहित, नगर परिषद सभापति नरेश सेठ, विकास अधिकारी भंवरलाल, नगर परिष्द अधिषाशी अधिकारी त्रिकमदान चारण समस्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष हरीश पुरोहित सीलु के आतिथ्य में आयोजित किया गया। राष्ट्र हित में आयोजित एक विशेष रक्तदान शिविर में युवाओं ने जबरदस्त जोश और उमंग के साथ बढ़ चढ़ कर देशभक्ति के जज्बे के साथ अपना रक्तदान किया। जिसमें बी. लाल, ब्लड बैंक की टीम ने रक्त संग्रहण किया। युवाओं की सक्रिय भागीदारी और सेवा भावना के चलते कुछ ही घंटों में 100 युनिट रक्त एकत्रित किया गया। रक्तदाताओं ने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी देश और समाज सेवा के हर आह्वान पर वे तत्पर रहेंगे। यह आयोजन न सिर्फ मानव सेवा का अनुपम उदाहरण बना, बल्कि युवाओं की राष्ट्र भक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को भी उजागर करता है। पूर्व सांसद देवजी पटेल ने कहा कि देश को आगे बढ़ाने में ऐसे आयोजनों की बड़ी भूमिका होती है। यह केवल रक्तदान नहीं है, बल्कि राष्ट्रसेवा की भावना है। आतंकवाद और समाज की अन्य समस्याओं को जड़ से खत्म करने में हम सबको मिलकर ऐसे योगदान देने चाहिए। पूर्व मंत्री सुखराम विश्नोई ने शिविर में आए लोगों को सही तरीके से रक्तदान की प्रक्रिया, सावधानियों और फायदे के बारे में भी जानकारी दी। उपखण्ड अधिकारी प्रमोद कुमार सोनी ने आपात स्थिति में स्टॉक होनी जरूरी है। शिविर का उदेश्य जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना है। आईपीएस कांबले शरण गोपीनाथ ने रक्तदान को सबसे बड़ा पुण्य कार्य बताते हुए व्यापार मंडल की सक्रिय सहभागिता की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। राष्ट्र हित में आयोजित रक्तदान शिविर के दौरान पूर्व सांसद देवजी पटेल, आईपीएस कर्काबले शरण गोपीनाथ, उपखण्ड अधिकारी प्रमोद सोनी, नगर परिषद अधिशाषी अधिकारी त्रिकमदान चारण, समस्त व्यापार महासंघ हरीश पुरोहित सहित कई अधिकारियों कर्मचारियों व्यापारियों एवं शहरवासियों ने रक्तदान किया। इस दौरान नगर परिषद सफाई निरीक्षक विजय पुराहित, स्मृति वन अध्यक्ष अमराराम माली, पार्षद हरीश परमार, जगदीश शारदा, गोविंद पुरोहित, दलपतसिंह रणोदर, बाबु नाथ, सायब खॉन बेहलिम, अशोक जैन, मांधुसिंह, गणपत पुरोहित, गनी भाई मेमण, साबीर हुसैन मेमण, तौफिक हुसैन, भावेश सोनी नारायण पुरोहित, पार्षद केवलाराम, हाजी बाबु भाई मेमण छोगाराम चौधरी, दुर्गाराम बेनीवाल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 22 मई को

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक जिला कलक्टर एलएनमंत्री की अध्यक्षता में 22 मई को दोपहर 12:30 बजे आयोजित की जाएगी। यह जानकारी जिला सड़क सुरक्षा समिति सदस्य सचिव एवं अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी दिलीप परिहार ने दी

मातृत्व दिवस समारोह का भव्य आयोजन

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर में प्रेक्षा एंटरटेनमेंट के सहयोग से एक अत्यंत भव्य, भावनात्मक और यादगार मातृत्व दिवस समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का आयोजन स्व. नर्मदा देवी ऑडिटोरियम में किया गया, जिसकी मुख्य अतिथि थीं महाराज कुँवरानी साहिबा निवृत्ति कुमारी जी मेवाड़ रही। उनके प्रेरणादायक और आत्मीय उद्बोधन ने समस्त दर्शकों को भावविभोर कर दिय। विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्रीमती गीता आहारी (नर्सिंग अधीक्षक, एमबी हॉस्पिटल), डॉ. सुषमा सिंघवी (सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्था की संरक्षक), और डॉ. अंजना वर्मा, विभागाध्यक्ष – प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, गीतांजलि हॉस्पिटल उपस्थित रही। कार्यक्रम में महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्था के संस्थापक भंवर सेठ व उनके संसथान से माताओं में भी कार्यक्रम में भाग लिय। आयोजन की संकल्पना को आकार देने में गीतांजलि हॉस्पिटल के मार्केटिंग हेड कल्पेश चंद रजबार ने मुख्य भूमिका निभाय। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना से हुई, जिसके बाद निव्या पोरवाल जैन व उनकी पुत्री ने "छोटी सी चिड़िया" गीत पर एक कोमल और भावनात्मक प्रस्तुति दी। इस आयोजन की संकल्पना दीपमाला मेवड़ा ने की — जिनकी ऊर्जा, संवेदना और सकारात्मक दृष्टिकोण ने पूरे आयोजन को जीवंतता दी। इसके पश्चात डॉ. सुषमा मोगरी ने मातृत्व, स्वास्थ्य और भावनात्मक सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा किए। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का पारंपरिक उर्पणाओं द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम में गीतांजली हॉस्पिटल एवं गीतांजलि यूनिवर्सिटी के स्टाफ सहित 500 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। विशेष दृश्य यह था कि सभी महिलाओं ने क्रीम रंग की पोशाकें पहनी हुई थीं, जिससे सारा ऑडिटोरियम ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे धरती पर परियाँ उतर आई हों — यह दृश्य ही कार्यक्रम को अलौकिक बना गया। सबसे प्रेरणादायक क्षण रहा 13 बेस्ट स्टोरीज का सम्मान, जिन्हें "Story Winners" के रूप में उनके जीवन संघर्षों, अनुभवों और मातृत्व की भावना के लिए सराहा गया। ये थीं: मधु भटनागर, भावना पोखरना, शाहिन खान, डॉ. शकुंतला सरूपरिया, गीता सिंह राठौर, देविका टाक, डॉ. माला मट्ठा, भावना जैन, उर्मिला भट्ट, सोहिनी जोशी, उषा मिश्रा, डॉ. सोनिया साहू, मनीषा कपिल। इसके बाद JDCA एकेडमी द्वारा श्रीदेवी को समर्पित डांस ट्रिब्यूट प्रस्तुत किया गया, जिसे कोरियोग्राफ जितेन्द्र सालवी ने किया। इस पेर्फोमांस के बाद पूरा सभागार भाव विभोर हो उठा बहुत ही सुन्दर अंदाज़ में श्रीदेवी के जीवन को उनकी माँ बनने की यात्रा को खूब्सुती से दर्शाया गय। यशोधरा क्लासिकल डांस ने भी कार्यक्रम में सांस्कृतिक गरिमा जोड़ी। डॉ. राशी अग्रवाल ने महिलाओं को त्वचा की देखभाल और आत्म-देखभाल पर व्यावहारिक सलाह दी और दर्शकों के सवाल जवाब किये। खेल व इंटरएक्टिव गतिविधियों ने हंसी, जुड़ाव और आनंद के पल रचे।

हिन्दुस्तान जिंक ने नवीन तकनीक और नवाचारों से उत्पादन और सुरक्षा को बढ़ाया

-हिन्दुस्तान जिंक भूमिगत खनन में टेली-रिमोट संचालन अपनाने वाली पहली भारतीय मेटल कंपनी

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नेशनल टेक्नोलॉजी डे पर, भारत की एकमात्र और दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिन्दस्तान जिंक ने नवीन तकनीकों को अपनाने में अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत किया है। यह कंपनी मेटल और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के भविष्य को नया आकार दे रही है। कंपनी ने हाल ही में टेली-रिमोट और मार्गदर्शन करने वाले लोडर का उपयोग शुरू किया है। इससे सतह पर बैठे ऑपरेटर खदानों में काम करने वाले लोडर को शिफ्ट बदलने के दौरान भी नियंत्रित कर सकते हैं। कंपनी के अपने ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से यह संभव हुआ है। इस नए तरीके से राजस्थान स्थित रामपुरा आगुचा माइन में उत्पादन में सुधार हुआ है, जिससे शाफ्ट से अयस्क निकालने की क्षमता 6,500 टन प्रतिदिन से बढ़कर 8,000 टन प्रतिदिन हो गई है। एक और बड़ी उपलब्धि स्मोक-ऑवर्स ड्रिलिंग तकनीक का इस्तेमाल है। हिन्दस्तान जिंक यह स्वचालित तकनीक इस्तेमाल करने वाली पहली भारतीय मेटल कंपनी बन गई है। इससे शिफ्ट बदलने के दौरान भी ड्रिलिंग का काम जारी रखा जा सकता है, और ऑपरेटर सतह से मशीन को चलाता है। औसतन, पिछले तीन वर्षों में इससे सालाना 22 हजार टन अतिरिक्त मेटल प्राप्त हुआ है। यह तकनीक विश्व की सबसे बड़ी भूमिगत जिंक माइन रामपुरा आगुचा और विश्व की शीर्ष पाँच चांदी उत्पादक खदानों में से एक सिंदेसर खुर्द — दोनों में संचालित है।
स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग की दिशा में बढ़ते हुए, कंपनी ने एक एआई-आधारित (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), सेंसर-आधारित अनुमान लगाने वाली रखरखाव प्रणाली भी लगाई है। इसे एक नई तकनीक स्टार्टअप 'इनफिनिट अपटाइम' के साथ मिलकर विकसित किया गया है। 1 हजार से अधिक स्मार्ट सेंसर लगाकर, हिन्दस्तान जिंक ने मशीनों के खराब होने के खतरे को सफलतापूर्वक कम किया है और अपनी माइंस और स्मेल्टर्स में बिना योजना के होने वाले डाउनटाइम को लगभग 500 घंटे तक कम कर दिया है।
हिंदुस्तान जिंक ने जस्ता उत्पादन को कुशलतापूर्वक बढ़ाने के लिए एक एआई-आधारित ऑटोमेशन उपकरण भी लगाया है। यह उपकरण ऐतिहासिक डेटा पर प्रशिक्षित एक बुद्धिमान मॉडल के माध्यम से उच्च गुणवत्ता बनाए रखते हुए जिंक डस्ट, सोडियम सल्फेट, चूना, सीमेंट जैसे कच्चे माल के उपयोग को बेहतर बनाने के लिए एआई-एमएल आधारित सिफारिश मॉडल का उपयोग करता है।
इस अवसर पर हिन्दस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा ने कहा कि, "तकनीक हमारी व्यवसाय प्रक्रिया का मूल है। हम ऐसी पहली तकनीकें इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं जो हमारे उत्पादन को बेहतर बनाती हैं और संसाधनों का सही इस्तेमाल करते हुए अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाने में मदद करती हैं। ऐसी तकनीकों को अपनाने से, हम अपने पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को भी कम कर रहे हैं और सभी के लिए एक जैसा कार्य करने का अनुभव दे रहे हैं। हम तेजी से एक प्रौद्योगिकी कंपनी बन रहे हैं, क्योंकि तकनीक अब हमारे धातु उत्पादन का जरूरी हिस्सा है। एआई, एमएल, रोबोटिक्स, ऑटोमेशन को तेजी से अपनाकर हम उद्योग और देश को आगे बढ़ा रहे हैं।"
हिंदुस्तान जिंक ने अपने संचालन में रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन और इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी आधुनिक तकनीकों और नवाचारों को शामिल किया है। हाल ही में कंपनी ने अपने परिचालन में एक उन्नत एआई-आधारित कैमरा निगरानी प्रणाली लगाने की घोषणा की। यह नया समाधान कार्यस्थल की सुरक्षा, परिचालन दक्षता और नियमों का पालन सुनिश्चित करता है, जिससे मानवीय हस्तक्षेप में लगभग 50 प्रतिशत की कमी आई है। इसके अलावा, कंपनी ने उच्च तापमान पर स्मेल्टर्स में रोबोटिक

ऑटोमेशन का इस्तेमाल किया है, जिससे सटीकता बढ़ी है, धातुकर्म वर्कफ्लो सुव्यवस्थित हुआ है और उत्पाद की गुणवत्ता लगातार बनी हुई है।
हिन्दस्तान जिंक भूमिगत खदानों की मैपिंग की सटीकता बढ़ाने और अयस्क निकालने की योजना को बेहतर बनाने के लिए एलआईडीएआर सक्षम ड्रोन-आधारित स्टॉप स्कैनिंग शुरू करने की तैयारी में है। वेदांता स्पार्क, वेदांता का खास वैश्विक कॉर्पोरेट एक्सेलेरेटर और वेंचर्स प्रोग्राम है जो नई तकनीकों के माध्यम से महत्वपूर्ण व्यावसायिक चुनौतियों का समाधान करके बड़े पैमाने पर बदलाव लाने के लिए नए स्टार्टअप्स के साथ मिलकर काम करता है। वेदांता स्पार्क के तहत, हिन्दस्तान जिंक ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, कंप्यूटर विजन, ड्रोन तकनीक, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और ऑगमेंटेड रियलिटी-वर्चुअल रियलिटी जैसी तकनीकों के उपयोग से विकास की बड़ी संभावनाओं को तलाशा है। हिन्दस्तान जिंक सक्रिय रूप से नवीन तकनीकों का उपयोग कर रहा है और 'इनोवेशन कैफे' के माध्यम से कंपनी के अंदर स्टार्टअप जैसी सोच को बढ़ावा देता है, जिससे कंपनी को अपनी श्रेणी में सबसे अच्छी संपत्ति विश्वसनीयता और परिचालन उत्कृष्टता हासिल करने में मदद मिलती है। पिछले कुछ वर्षों में, कंपनी ने आपूर्ति श्रृंखला, खदान विकास और उत्पादन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में हिन्दस्तान जिंक के व्यापारिक भागीदारों और आपूर्तिकर्ता नेटवर्क से जुड़े कई एमएसएमई का सहयोग किया है। वेदांता समूह की कंपनी हिन्दस्तान जिंक लिमिटेड, विश्व की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 5 चांदी उत्पादकों में से एक है।

अशोक गहलोत ने किया "मारवाड के गाँधी-अशोक गहलोत" नामक पुस्तक का विमोचन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उनके सिविल लाइन्स स्थित निवास पर "मारवाड के गाँधी-अशोक गहलोत" नामक पुस्तक का अपने कर कमलों द्वारा विमोचन किया। इस पुस्तक के लेखक स्वच्छ नगर संस्था, जयपुर के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष स्व.डा.सत्यनारायण सिंह, पूर्व आई.ए.एस. हैं।

इस अवसर पर राजीव अरोडा, अध्यक्ष स्वच्छ नगर संस्था, एम.एल. कुमावत पूर्व आई.पी.एस., प्रो. बी.एम.शर्मा, पूर्व अध्यक्ष राजस्थान लोक सेवा आयोग, इकराम राजस्थानी, साहित्यकार, घनश्याम मेहर विधायक, टोडाभीम, एम.एल. सैनी, भरत कुदाल, सत्येन चतुर्वेदी, राम सिंह मीणा, सदस्य, राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग, सज्जन पोसवाल सदस्य राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग, युवराज सामंत, एडवोकेट, रमाकांत दाधिच पत्रकार, हेमन्त शर्मा, विजेन्द्र मिश्रा , राधेष्याम उपाध्याय तथा पुस्तक की सम्पादक मंजू शर्मा के अतिरिक्त स्वच्छ नगर संस्था के कर्मचारी उपस्थित रहे। डॉ.सत्यनारायण सिंह के ज्येष्ठ पुत्र प्रो. (डॉ.) रिपुन्जय सिंह ने बताया है कि "मारवाड़ के गाँधी-अषोक गहलोत" यह एक अद्‌त कृति है जिसमें वरिष्ठ प्रशासक सेवानिवृत आई.ए.एस. अधिकारी स्व. डॉ. सत्यनारायण सिंह द्वारा देष के एक प्रतिष्ठित राजनेता एवं राजस्थान के तीन बार मुख्यमंत्री रहे अशोक गहलोत को समर्पित की गई है। यह संग्रह न केवल एक राजनेता के प्रति कृतज्ञता का भाव है, बल्कि यह एक प्रेरणादायक दस्तावेज भी है जो आने वाली पीढ़ियों को सेवा, सादगी और समर्पण के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करेगा।

स्व. डॉ.सत्यनारायण सिंह ने गहलोत के व्यक्तित्व और कृतित्व पर 55 से अधिक लेख लिखे थे जिनमें से चिन्हित व प्रकाषित 34 श्रेष्ठ लेखों को इस पुस्तक में संग्रहित किया गया है। यह पुस्तक उनके जीवन, कार्यशैली, संवेदनशील सोच और सामाजिक प्रतिबद्धता का दस्तावेज है व उनके सेवाभाव, सादगी और जनहित के कार्यों के लिए "मारवाड़ के गॉधी " के रूप में सम्मानित किया जाता है। यह शीर्षक स्वयं उनके व्यक्तित्व का जीवंत परिचय देता है।

स्व. डॉ.सत्यनारायण सिंह एक कुशल समर्पित लेखक और समाजसेवी रहे हैं, उनके 800 से अधिक लेख हस्तलिखित हैं, जो विभिन्न राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाषित हुए। उनका लेखन गहन शोध, सटीक विश्लेषण और संवेदनशील दृष्टिकोण का परिचायक रहा है। इस पुस्तक का प्रकाशन स्वच्छ नगर संस्था, जयपुर के सौजन्य से डॉ.सत्यनारायण सिंह प्रकाशन समिति, विद्‌त नगर, अजमेर रोड़, जयपुर द्वारा किया गया है।

इंडियन आर्मी की शान बनी लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। इंडियन आर्मी की शान बनी लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी गुजरात की रहने वाली हैं और मैकेनाइज्ड इन्फैक्ट्री के मेजर ताजुद्दीन कुरैशी की पत्नी है। सोफिया कुरैशी का परिवार सेना से जुड़ा हुआ है। उनके दादा भी सेना में थे। आपकी शिक्षा बायोकेमिस्ट्री में पोस्ट ग्रेजुएट हैं। सोफिया कुरैशी 1999 में शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत भारतीय सेना में शामिल हुईं। और वर्तमान में सिग्नल कोर में अधिकारी हैं। आपने 'एक्सरसाइज फोर्स 18' नामक अंतरराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में भारत का नेतृत्व किया है व ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए भी चर्चा में आईं। सोफिया भारतीय सेना की एक प्रतिष्ठित अधिकारी हैं, जिन्होंने 2016 में इतिहास रचते हुए 'एक्सरसाइज फोर्स 18' नामक बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में भारतीय सेना के दल का नेतृत्व किया। यह अभ्यास भारत द्वारा आयोजित सबसे बड़ा विदेशी सैन्य अभ्यास था, जिसमें 18 देशों ने भाग लिया, और सोफिया कुरैशी इस अभ्यास में दल का नेतृत्व करने वाली एकमात्र महिला अधिकारी थीं। लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी वर्तमान में भारतीय सेना में सक्रिय सेवा में हैं और हाल ही में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। 7 मई 2025 को, उन्होंने भारतीय वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ मिलकर इस सैन्य अभियान पर मीडिया को जानकारी दी।

यह प्रेस ब्रीफिंग भारत की सैन्य कार्रवाई के बारे में वैश्विक समुदाय को सूचित करने के लिए आयोजित की गई थी। सोफिया कुरैशी की यह भूमिका भारतीय सेना में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और नेतृत्व क्षमता का प्रतीक है। उनकी यह नियुक्ति न केवल उनके व्यक्तिगत कैरियर की उपलब्धि है,

बल्कि यह भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका के विस्तार का भी संकेत देती है और यह देश कि एकता और अखंडता का सीधा संदेश कि देश एकजुट है। इंडियन आर्मी के एक ट्रेनिंग प्रोग्राम में 40 सदस्यों की टुकड़ी का नेतृत्व करके इस पहली महिला अधिकारी ने यह साबित कर दिया कि एक औरत अपने दम पर हर मुकाम हासिल कर सकती है नारी शक्ति का परचम हर क्षेत्र में लहरा रहा है।

दुनिया में अक्सर हर क्षेत्र में समानता के अधिकार का मुद्दा उठाया जाता है लेकिन महज किसी मुद्दे का झंडा उठा लेने से कुछ नहीं होता इसके लिए जरूरत है बेजोड़ जज्बे की ऐसे ही जज्बे की मिसाल है भारतीय सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेट कर्नल सोफिया कुरैशी।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। मोदी ने देश के वैज्ञानिकों के प्रति गर्व और आभार व्यक्त किया तथा 1998 के पोखरण परीक्षणों को याद किया। उन्होंने विज्ञान और अनुसंधान के माध्यम से भावी पीढ़ियों को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की।

एक एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री ने लिखा;

"राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं! यह हमारे वैज्ञानिकों के प्रति गर्व और कृतज्ञता व्यक्त करने तथा 1998 के पोखरण परीक्षणों को याद करने का दिन है। वे हमारे राष्ट्र के विकास पथ में, विशेष रूप से आत्मनिर्भरता की दिशा में हमारी खोज में एक ऐतिहासिक घटना थी।

हमारे लोगों की बदौलत भारत प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं में वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है, चाहे वह अंतरिक्ष हो, एआई हो, डिजिटल नवाचार हो, हरित प्रौद्योगिकी हो या और भी बहुत कुछ। हम विज्ञान और अनुसंधान के माध्यम से भावी पीढ़ियों को सशक्त बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। आशा है कि प्रौद्योगिकी मानवता का उत्थान करेगी, हमारे राष्ट्र को सुरक्षित करेगी और भविष्य की वृद्धि को गति देगी।"

भारत के 32 एयरपोर्ट का संचालन फिर से शुरू, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने दी जानकारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच 15 मई तक 32 एयरपोर्टों को बंद करने का निर्णय लिया गया था। इसे लेकर अब भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने नया अपडेट दिया है। एएआई ने बताया कि ये सभी हवाई अड्डे तत्काल प्रभाव से नागरिक विमान संचालन के लिए उपलब्ध हैं। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने सोमवार को एक बयान में कहा, "यात्रीगण कृपया ध्यान दें; 15 मई 2025 को सुबह 05:29 बजे तक 32 हवाई अड्डों पर नागरिक विमान संचालन के लिए अस्थायी बंदी की अधिसूचना जारी की गई थी। अब सूचित किया जाता है कि ये हवाई अड्डे तत्काल प्रभाव से नागरिक विमान संचालन के लिए उपलब्ध हैं। 10 मई को उत्तरी और पश्चिमी भारत के 32 हवाई अड्डों को नागरिक उड़ान संचालन के लिए अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की गई थी। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी उड़ान की स्थिति सीधे एयरलाइंस से जांचें और नियमित अपडेट के लिए एयरलाइंस की वेबसाइट पर नजर रखें।" 10 मई को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और संबंधित विमानन अधिकारियों ने नोटिस टू एयरमेन (नोटम) जारी कर उत्तरी और पश्चिमी भारत के 32 हवाई अड्डों को नागरिक उड़ान संचालन के लिए अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की थी। ये आदेश 15 मई तक प्रभावी था। जिन एयरपोर्ट को बंद करने का फैसला किया गया था, उनमें आदमपुर, अंबाला, अमृतसर, अवंतीपोरा, बठिंडा, भुज, बीकानेर, चंडीगढ़, हलवारा, हिंडन, जैसलमेर, जम्मू, जामनगर, जोधपुर, कांडला, कांगड़ा (गग्गल), केशोद, किशनगढ़, कुल्लू मनाली (भुंतर), लेह, लुधियाना, मुंद्रा, नालिया, पठानकोट, पटियाला, पोरबंदर, राजकोट (हीरासर), सरसावा, शिमला, श्रीनगर, थोइस और उत्तरलई शामिल हैं। इससे पहले, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट ने सोमवार को यात्रियों के लिए नई एडवाइजरी जारी की थी। इसमें कहा गया है कि दिल्ली हवाई अड्डे पर सभी कार्य सामान्य रूप से चल रहे हैं, लेकिन कुछ उड़ानों के समय में बदलाव हो सकता है। सुरक्षा उपायों के कारण कुछ उड़ानों के समय में बदलाव हो सकता है और जांच में अधिक समय लग सकता है। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट ने एक बयान में कहा, "दिल्ली हवाई अड्डे पर सभी कार्य सामान्य रूप से चल रहे हैं। हालांकि, बदलती हवाई क्षेत्र की स्थिति और नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा बढ़ाए गए सुरक्षा उपायों के कारण कुछ उड़ानों के समय में बदलाव हो सकता है और सुरक्षा जांच में अधिक समय लग सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर: शहीद सुरेंद्र कुमार का झुंझुनूं में पूर्ण राजकीय सम्मान से किया गया अंतिम संस्कार

- मंत्री अविनाश गहलोत ने मुख्यमंत्री की ओर से अर्पित किया पुष्पचक्र, वीरांगना को 5 लाख रुपए की सहायता राशि का चैक सौंपा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ऑपरेशन सिंदूर के तहत उधमपुर में वीरगति को प्राप्त हुए सार्जेंट सुरेंद्र कुमार का रविवार को झुंझुनू जिले में उनके गांव मेहरादासी (मंडावा), झुंझुनूं में पूर्ण राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार किया गया। झुंझुनूं जिले के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से शहीद के परिजनों को ढाढ़स बंधाया और पुष्पचक्र अर्पित करते हुए संवेदना व्यक्त की। शहीद सुरेंद्र कुमार को उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा सैनिक कल्याण एवं युवा और खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, नगरीय विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, सांसद बृजेंद्र ओला, झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू, नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल, खेतड़ी विधायक धर्मपाल गुर्जर, मंडावा विधायक रीटा चौधरी, उदयपुरवाटी विधायक भगवानाराम सैनी, लक्ष्मणगढ़

विधायक गोविंद डोटासरा, फतेहपुर विधायक हाकम अली, चौमूं विधायक शिखा मील बराला, मुकेश दाधीच, जिला कलक्टर रामावतार मीणा, एसपी शरद चौधरी, जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरी, बनवारी लाल सैनी, नवलगढ़ प्रधान दिनेश सुंडा, पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार, पूर्व सांसद संतोष अहलावत, पूर्व विधायक सुभाष पूनियां, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी समेत पूर्व सैनिकगणों, जनप्रतिनिधियों व गणमान्यजनों ने पुष्पचक्र अर्पित किए। वायुसेना के ग्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज के नेतृत्व में वायुसेना व पुलिस की टुकड़ियों ने गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया। शहीद के पुत्र दक्ष ने मुखाग्नि दी। अंत्येष्टि के बाद झुंझुनूं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अविनाश गहलोत ने वीरांगना सीमा को राज्य सरकार की ओर से 5 लाख रुपए की सहायता राशि का चैक सौंपते हुए ढाढ़स बंधाया और राज्य सरकार की तरफ से हर संभव सहायता की बात कही।

मोगा के साहस और बलिदान पर देश और प्रदेश को है गर्व –देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मां भारती की रक्षा में शहीद हुये शेखावाटी के वीर सपूत मेडिकल असिस्टें ट सार्जेंट सुरेन्द्रा कुमार मोगा को उनकी शहादत पर नमन किया है। देवनानी ने कहा है कि सुरेन्द्र2 कुमार मोगा के साहस और बलिदान पर देश और प्रदेश को गर्व है। उनका यह बलिदान हमेशा अमर रहेगा। देश उनकी इस शहादत को सदैव याद रखेगा।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।
संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com